धनबाद, शनिवार
8 अगस्त 2026
वर्ष : 03 अंक : 309
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन में पहुंचीं आइसा राष्ट्रीय अध्यक्ष पर फेंकी स्याही

रांची, (एजेंसी) :राजधानी रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में चल रहे छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन में शामिल होने पहुंचीं आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा वोरा पर स्याही फेंके जाने का मामला सामने आया है। नेहा वोरा छात्र-अभ्यर्थियों के समर्थन में आंदोलन स्थल पहुंची थीं।घटना की वामपंथी दलों ने कड़ी आलोचना की है। माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि यह घटना सांप्रदायिक संगठनों की ओर से युवाओं को नफरत भरे प्रचार से प्रभावित किए जाने की कोशिश का परिणाम है।उन्होंने घटना को कायरतापूर्ण बताते हुए कहा कि देशभर में शिक्षा और छात्रों के अधिकारों को लेकर चल रहे आंदोलनों के खिलाफ कुछ लोगों की बौखलाहट इस घटना से सामने आती है। उन्होंने कहा कि छात्र-अभ्यर्थियों के लोकतांत्रिक आंदोलन को दबाने के बजाय उनकी मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

देश के कई राज्यों में अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली, (एजेंसी) :देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता के बीच दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर-पश्चिम, पूर्वी और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश होने का अनुमान है। वहीं, अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मध्यम अल-नीनो की स्थिति बनी हुई है।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। यह सिलसिला रात तक जारी रह सकता है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33-35 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। रविवार और सोमवार को भी वर्षा होने से तापमान में कमी आने का अनुमान है। **शेष पृष्ठ-4....**

उत्तराखंड : खाई में गिरी कार, पांच लोगों की मौत, एक लापता

पौड़ी, (एजेंसी) : पौड़ी-देवप्रयाग मोटर मार्ग पर कुण्डाधार के समीप डंपिंग जोन के पास शुक्रवार को एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई,जबकि एक व्यक्ति घायल बताया गया है।

आपदा नियंत्रण कक्ष पौड़ी के अनुसार, कार में कुल सात लोग सवार थे। दुर्घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसे पहले पुलिस ने बागी अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालात को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल को हायर सेंटर श्रीनगर भेजा गया है। फिलहाल पुलिस और एसडीआरएफ आसपास के इलाकों में खोज कर रही है कि कहीं कोई और व्यक्ति तो कार में सवार नहीं था। सभी लोग हरिद्वार के है, जो पौड़ी में कुछ काम से आ रहे थे। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने बताया कि आज पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे 112 पर थाना देवप्रयाग को पौड़ी मार्ग पर वाहन के खाई में गिरने की जानकारी मिली थी। सूचना के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की फोर्स मौके पर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हुई है। सभी मृतक हरिद्वार जिले के लक्सर थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। एक व्यक्ति घायल है, जिसे श्रीनगर हॉस्पिटल भेजा गया है।

हथकरघा क्षेत्र के सतत विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों का समुचित उपयोग आवश्यक : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हथकरघा क्षेत्र के सतत विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों का समुचित उपयोग आवश्यक है। युवाओं, डिजाइनरों और स्टार्टअप्स को पारंपरिक शिल्प को आधुनिक रुझानों, ब्रांडों और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़कर इस क्षेत्र में नए अवसर सृजित करने चाहिए

राष्ट्रपति ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में संत कबीर हथकरघा पुरस्कार तथा राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार-2025 प्रदान किए। इस अवसर पर भारत की समृद्ध और विविध हथकरघा परंपराओं को समर्पित चार स्मारक डाक टिकट भी जारी किए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हथकरघा सदियों से भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा रहा है। यह देश की विविधता और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को संरक्षित करने के साथ-साथ रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण, कला एवं संस्कृति के संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि हथकरघा का भारत के स्वतंत्रता संग्राम और आत्मनिर्भरता की भावना से भी गहरा संबंध रहा है।उन्होंने कहा कि 07 अगस्त 1905 को बंग-भंग के विरोध में स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक शुरूआत हुई थी, जिसका उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं, घरेलू उद्योगों और विशेष रूप से देश के हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करना था। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में वर्ष 2015 से 07 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने हथकरघा क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुभकामनाएं दीं।राष्ट्रपति ने कहा कि भारत का हथकरघा क्षेत्र ग्रामीण प्रीमियम अर्थव्यवस्था का मानवीय और सशक्त उदाहरण बनने की क्षमता रखता है। प्रमुख हथकरघा क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक और समकालीन प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है तथा बुनकरों की आय बढ़ाने के लिए सरकार अनेक कदम उठा रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि सरकार के प्रयासों से भारतीय हथकरघा क्षेत्र की वैश्विक पहचान एक वेरिफाइड कल्चरल इकोनॉमी₹ के रूप में मजबूत हो रही है।उन्होंने कहा कि तकनीक और नवाचार से लैस अनेक युवा उद्यमी इस क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं और संस्थानों के माध्यम से युवाओं को सक्रिय सहयोग दिया जाना चाहिए, ताकि उनका उत्साह और कौशल हथकरघा क्षेत्र की दीर्घकालिक प्रगति सुनिश्चित कर सके। उन्होंने कहा कि भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थानों और वीवर्स सर्विस सेंटरों के तहत स्थापित डिजाइन रिसोर्स सेंटर युवाओं को इस क्षेत्र से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि डिजिटल समाधानों और ई-कॉमर्स मंचों के माध्यम से भारतीय हथकरघा उत्पादों की बाजार तक पहुंच और वैश्विक उपस्थिति को और मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हथकरघा क्षेत्र देश की समावेशी विकास यात्रा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मजबूत आधार बनेगा।उल्लेखनीय है कि संत कबीर हथकरघा पुरस्कार देश के हथकरघा बुनकरों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जबकि राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार उत्कृष्ट रचनात्मकता, गुणवत्ता, नवाचार और पारंपरिक कौशल के संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बुनकरों तथा अन्य हितधारकों को प्रदान किया जाता है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधी राखी, दिया सद्भावना का संदेश

रांची, (एजेंसी) :झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की निदेशक ब्रह्माकुमारी निर्मला, सहयोगी इंदु साबू, प्रदीप कुमार एवं सुनैना कुमारी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी निर्मला ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को रक्षासूत्र (राखी) बांधकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सावन मास एवं रक्षाबंधन के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए पवित्रता, प्रेम, भाईचारे, सद्भावना एवं मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। साथ ही राज्य की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ब्रह्माकुमारी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों के प्रसार के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

आदिवासी महोत्सव में फिल्म फेस्टिवल व मास्टर क्लास का आयोजन

विद्यार्थियों को मिलेगा फिल्म निर्माण सीखने का अवसर

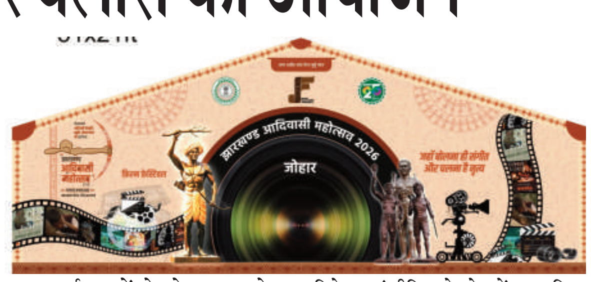

रांची(एजेंसी) : झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा आगामी आदिवासी महोत्सव-2026 के तहत 9 अगस्त को मोराबादी मैदान, रांची में विशेष फिल्म फेस्टिवल एवं मास्टर क्लास का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण, दृश्य कथानक (विजुअल स्टोरीटेलिंग) और मीडिया उद्योग की बारीकियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।इस संबंध में झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति को पत्र भेजकर कार्यक्रम में सहभागिता का आमंत्रण दिया है। साथ ही विश्वविद्यालय से जनसंचार, पत्रकारिता, मीडिया स्टडीज, फिल्म स्टडीज, परफॉर्मिंग आर्ट्स, विजुअल कम्युनिकेशन एवं संबंधित विषयों के कम से कम 50 विद्यार्थियों को नामित कर कार्यक्रम में भेजने का अनुरोध किया गया है।

फिल्म फेस्टिवल के दौरान आदिवासी जीवन, स्वदेशी संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और उत्कृष्ट सिनेमा पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं ₹फिल्म मेकिंग एंड करियर ऑपर्च्युनिटीज इन द फिल्म इंडस्ट्री₹ विषय पर विशेष मास्टर क्लास आयोजित होगी। इसका संचालन सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट , कोलकाता के विशेषज्ञ एवं प्राध्यापक करेंगे।

मास्टर क्लास में प्रतिभागियों को फिल्म निर्माण की मूलभूत तकनीक, विजुअल स्टोरीटेलिंग, पटकथा लेखन, निर्देशन, सिनेमैटोग्राफी, संपादन, साउंड डिजाइन तथा फिल्म, टेलीविजन, ओटीटी और डिजिटल कंटेंट इंडस्ट्री में उभरते करियर अवसरों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही सिनेमा एवं मीडिया के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और रोजगार की संभावनाओं पर भी विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे।झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का मानना है कि यह कार्यक्रम युवाओं को फिल्म एवं मीडिया उद्योग की व्यावहारिक समझ विकसित करने के साथ-साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति के नए अवसर प्रदान करेगा। आदिवासी महोत्सव के दौरान आयोजित यह पहल राज्य के युवा मीडिया एवं फिल्म विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सीखने और करियर निर्माण का मंच साबित होगी। ज्ञात हो कि विगत 22 जुलाई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में झारखंड राज्य फिल्म विकास निगम एवं सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट कोलकाता के बीच स्थानीय सूचना भवन में फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना को लेकर एमओयू (टङ्गव) हस्ताक्षरित किया गया था।

हस्तकरघा भारत की संस्कृति, परंपरा और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक : राज्यपाल

पूर्वी सिंहभूम(एजेंसी) : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि हस्तकरघा केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस देश के उन लाखों बुनकरों के श्रम, कौशल और सृजनशीलता को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने सदियों से अपनी कला के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध किया है।

राज्यपाल शुक्रवार को जमशेदपुर के माइकल जॉन सभागार में ह्यराष्ट्रीय हस्तकरघा दिवसह्ण के अवसर पर विवर्स डेवलपमेंट एंड रिसर्च ऑगेनाईजेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस के अवसर पर वर्ष 1942 में शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन को भी याद करना प्रासंगिक है। उस दौर में चरखा, खादी और हस्तकरघा केवल वस्त्र निर्माण के साधन नहीं थे, बल्कि स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रतीक बन गए थे। महात्मा गांधी ने खादी और स्वदेशी को जनआंदोलन का स्वरूप देकर देशवासियों में आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव की भावना पैदा की।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की जनजातीय और ग्रामीण परंपराओं में हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत मौजूद है। राज्य का तसर रेशम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, नवाचार, आकर्षक डिजाइन, बेहतर विपणन और डिजिटल माध्यमों से बुनकरों के उत्पादों को जोड़कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है।अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभवों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्हें बुनकर समाज के बीच जाकर उनकी समस्याओं को करीब से समझने का अवसर मिला है। केंद्र सरकार में वस्त्र मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने बुनकरों के हित में काम किया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस मनाने की पहल शुरू हुई, जिसका उद्देश्य बुनकरों के श्रम, कौशल और योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देना तथा हस्तकरघा क्षेत्र को नई पहचान दिलाना था।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ह्यवोकल फॉर लोकलह्ण, ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण और ह्यपीएम विश्वकर्मा योजनाह्ण जैसी पहलों के माध्यम से बुनकरों, शिल्पकारों और पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं, बल्कि विकसित भारत की आर्थिक शक्ति भी बन सकते हैं।

राज्यपाल ने हस्तकरघा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए डिजाइन नवाचार, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, ब्रांडिंग, कौशल उन्नयन और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत, स्वयंसेवी संगठनों और सरकार के संयुक्त प्रयासों से हस्तकरघा उद्योग को नई गति मिलेगी। इससे विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार तथा आत्मनिर्भरता के नए अवसर पैदा होंगे।

राज्यपाल ने नागरिकों से हस्तकरघा उत्पादों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति हस्तकरघा से निर्मित उत्पाद खरीदता है तो वह केवल एक वस्त्र नहीं खरीदता, बल्कि एक बुनकर परिवार की आजीविका को मजबूत करने के साथ-साथ ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करता है।

जलवायु परिवर्तन का असर मानव जीवन के साथ वन्यजीवों पर भी गंभीर: मुख्यमंत्री

रांची(एजेंसी) : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना सोरेन आज खेलगांव, रांची स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित 77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा वृक्षारोपण के महत्व पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन ही सतत भविष्य की कुंजी

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन विश्व की सबसे गंभीर और चिंताजनक चुनौतियों में से एक बन चुका है। इसके प्रभाव अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों, जैव विविधता और समग्र विकास प्रक्रिया पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के साथ लगातार हो रहे हस्तक्षेप, अंधाधुंध दोहन तथा अनियोजित विकास गतिविधियों के कारण जलवायु में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगीकरण, खनन गतिविधियों, शहरीकरण और विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों का पर्यावरण पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में विकास की गति को बनाए रखते हुए पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के बीच संतुलन स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक होगा, जब वह प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए आगे बढ़े।

उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ से बचना होगा तथा जल, जंगल और जमीन जैसे अमूल्य संसाधनों का विवेकपूर्ण एवं जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करना होगा। आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करने के लिए आज से ही ठोस कदम उठाने होंगे। वृक्षारोपण, वन संरक्षण, जल संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। जब तक आमजन इस दिशा में सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएंगे, तब तक जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का प्रभावी समाधान संभव नहीं होगा। उन्होंने सभी लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा हरित एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।हर नागरिक एक पौधा लगाए और उसके संरक्षण का संकल्प ले

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प भी ले। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पौधों को सुरक्षित रखना, उनका नियमित संरक्षण करना और उन्हें विकसित कर वृक्ष के रूप में स्थापित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जनभागीदारी सबसे प्रभावी माध्यम है। यदि राज्य का प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो आने वाले समय में झारखंड हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक मिसाल बन सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में विभिन्न अभियान के तहत लगाए गए पौधों की स्थिति का वे स्वयं जायजा लेंगे। साथ ही, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं और समुदायों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित भी किया जाएगा।

श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के स्वरूप में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। बीते कुछ वर्षों में प्राकृतिक घटनाओं की प्रकृति और तीव्रता में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि अनियमित वर्षा, बादल फटने की घटनाएं, अत्यधिक वर्षा, भीषण गर्मी, लंबे समय तक सूखे की स्थिति, बिजली गिरने तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इन बदलते मौसमीय हालात का सीधा प्रभाव मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और आजीविका पर पड़ रहा है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों को इसका गंभीर प्रभाव झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण जन-धन की हानि के साथ-साथ फसलों, पशुधन और आधारभूत संरचनाओं को भी नुकसान पहुंचता है, जिससे लोगों के जीवन और आजीविका पर प्रतिकूल असर पड़ता है।उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि पशु-पक्षियों, वन्यजीवों और अन्य जीव-जंतुओं को भी इसका भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्राकृतिक आवासों में बदलाव, जल स्रोतों का प्रभावित होना तथा पर्यावरणीय असंतुलन जैव विविधता के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को जनभागीदारी के साथ आगे

संक्षिप्त खबरें

तय समय में जेटेट का आयोजन नहीं होने पर हाइकोर्ट गंभीर, स्कूली शिक्षा व साक्षरता सचिव को जारी किया शोकॉज नोटिस

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने जेटेट के आयोजन को लेकर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई की।मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पक्ष सुना। पक्ष सुनने के बाद आदेश का अनुपालन नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी। अदालत ने मामले में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव को शोकॉज नोटिस जारी किया। अदालत ने सचिव से पूछा है कि अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं करने के लिए आपके खिलाफ क्यों नहीं अवमानना के तहत आरोप तय किया जाये। सचिव को यह बताना है कि अदालत के आदेश के बावजूद निर्धारित समय-सीमा में जेटेट आयोजित क्यों नहीं की गयी। एकल पीठ में सुनवाई के दौरान सचिव ने स्वयं उपस्थित होकर जेटेट कराने का आश्वासन दिया था। इससे पूर्व बताया गया कि जेटेट की नियमावली बनने के बाद झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा अभ्यर्थियों से आवेदन लिया गया है।उल्लेखनीय है कि 24 सितंबर 2025 को रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान एकल पीठ ने सशरीर उपस्थित सचिव का पक्ष सुनने के बाद आदेश पारित किया था।अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि 31 मार्च 2026 तक जेटेट का आयोजन किया जाये।उक्त निर्देश देते हुए अदालत ने मामले को निष्पादित कर दिया था।अदालत को बताया गया था कि वर्ष 2016 के बाद से लगभग नौ साल हो गये, लेकिन जेटेट का आयोजन नहीं किया गया।

आठ व नौ अगस्त को सभी बूथों पर लगेगा विशेष शिविर, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मिलेगा मौका

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने और एक ही परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने के लिए आठ और नौ अगस्त को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाये जायेंगे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने सभी पात्र भारतीय नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित नहीं रहे, इसके लिए शनिवार और रविवार को राज्य के सभी बूथों पर विशेष कैंप आयोजित किये जा रहे हैं।इन शिविरों में मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न प्रकार के आवेदन स्वीकार किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर 2026 को आर्हता तिथि मानते हुये जिन भारतीय नागरिकों की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो जायेगी, वे फॉर्म-6 और घोषणा-पत्र भरकर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं।वहीं, जिन परिवारों के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं, वे फॉर्म-8 भरकर सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने के लिये आवेदन दे सकते हैं। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने निकटतम मतदान केंद्र पर पहुंचकर आवेदन जमा करें। इससे अंतिम मतदाता सूची अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनाने में मदद मिलेगी। निर्वाचन विभाग का लक्ष्य है कि राज्य का कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो सके।

कांग्रेस के मिलन समारोह में दर्जनों ने ली पार्टी की सदस्यता

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : कांग्रेस नामकुम प्रखंड अध्यक्ष विजय टोप्पो की अध्यक्षता में नामकुम में मिलन समारोह आयोजित किया गया। खिजरी विधायक राजेश कच्छप के कार्यों से प्रभावित होकर विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के दर्जनों कार्यकताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली।मुख्य अतिथि पार्टी के सहप्रभारी सिरिवेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, मंत्री इरफान अंसारी, पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय, कांके विधायक सुरेश बैठा, कोलेबिरा विधायक नमन विकसल कोनगाडी, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, महिला मोर्चा अध्यक्ष रामा खलखो ने माला व पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया एवं सदस्यता दिलाई। सहप्रभारी ने कहा देश में बीजेपी व आरएसएस लोकतांत्रिक व्यवस्था का कत्ल करने में लगीं हैं।आदिवासी, महिलाओं, विद्यार्थियों, किसानों, युवाओं व आमजन के संवैधानिक अधिकारों को छीनने का काम किया है। चुनाव आयोग, ईडी का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम किया है। लोकतांत्रिक संविधान पर विश्वास करने वाले भाजपा के खिलाफ है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सभी को मिलकर संगठन के लिए काम करना है।दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कांग्रेस ही ऐसा मंच देता है जहां महिला पुरुष, जात-पात,धर्म को सम्मान दिया जाता है जबकि भाजपा झूठी राष्ट्रवाद का बात कर अशांति फैलाने का काम करती है।

इरफान अंसारी ने कहा कि कांग्रेस का संगठन विस्तार हो रहा है। आरएसएस एवं भाजपा देश में नफरत का बीज बोकर, हिंदू मुस्लिम कर देश में कब्जा करने का प्रयास कर रहीं हैं परंतु उनका मनसूबा पूरा नहीं होगा।सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भाजपा सिर्फ धर्म की ठेकेदारी कर राजनीति कर रही है।राजेश कच्छप ने कहा कि आने वालें पंचायत, विधानसभा एवं लोक-सभा में पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर परचम लहराने का काम करेगी।विक्सल कोनगाड़ी, सुरेश बैठा, रामा खलखो, मिडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने भी विचार रखें।मौके पर ग्रामीण जिलाध्यक्ष सोमनाथ मुंड़ा, माधो कच्छप, रमेश पाण्डेय, महादेव मुंडा, एतवा मुंडा, कृष्णा गोप, अर्चना मिश्रा, अमर चौधरी, खुदिया कच्छप, दिनेश चंद्र प्रमाणिक, सीलाश टूटी, पुनित तिग्गा, रंजीत बड़ाइक, चमन रजक, अंजू लकड़ा, मीनू सिंह आदि उपस्थित थे।सदस्यता ग्रहण करने वालों में भाजपा नेता मनोज सिंह, बिकू सिंह, अनिल वर्मा, पूर्व मुखिया रमेश मुंड़ा, पूर्व प्रमुख पुष्पा तिर्की, पूर्व प्रमुख रीता रजनी कुजूर, मुखिया विवेक मुंड़ा, पृथ्वीराज सिंह सहित भाजपा, आजसू, जेकेएलएम सहित अन्य पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रखंड स्थित बुनकर प्रशिक्षण केंद्र में 12वां राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस मनाया गया

दुमका (एजेंसी) : मधुपुर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित बुनकर प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को हस्तकरघा, रेशम एवं हस्तशिल्प निदेशालय, झारखंड सरकार की ओर से 12वां राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मधुपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार दास उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बुनकरों और महिला कारीगरों को हस्तकरघा क्षेत्र में नई तकनीक, बेहतर डिजाइन, प्रशिक्षण, बाजार उपलब्धता तथा ई-मार्केटिंग से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ अजय कुमार दास ने कहा कि हस्तकरघा और हस्तशिल्प केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी स्वदेशी पहचान, परंपरा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। सदियों से बुनकर और कारीगर अपने हुनर के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते आ रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि उनके हुनर को आधुनिक बाजार और नई तकनीक से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, झारखंड क्राफ्ट एवं रेशम बोर्ड तथा वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से बुनकरों को बाजार, आधुनिक डिजाइन, प्रशिक्षण और ई-मार्केटिंग की सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले हस्तकरघा उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके। उन्होंने बुनकरों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, आप बनाइए, हम बेचने की गारंटी देंगे।उन्होंने कहा कि स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को उचित बाजार और पहचान दिलाने के लिए प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा। बीडीओ ने कहा कि अल्पसंख्यक एवं आदिवासी बुनकरों के उत्थान के लिए प्रशासन की ओर से हरसंभव प्रयास किया जाएगा। बुनकर समुदाय को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ उनके उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में भी पहल की आवश्यकता है। उन्होंने महिला कारीगरों को विशेष रूप से डिजाइन और मार्केटिंग के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया। एओबीडी मेनेजर पयुष कुमार ने कहा कि आज के दौर में केवल अच्छा उत्पाद बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके लिए आकर्षक डिजाइन, बेहतर पैकेजिंग, डिजिटल प्रचार और ऑनलाइन बाजार की जानकारी भी जरूरी है। यदि बुनकर आधुनिक तकनीक और ई-कॉमर्स से जुड़ते हैं तो वे अपने उत्पादों को स्थानीय बाजार से बाहर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान पीएम विश्वकर्मा योजना से संबंधित जानकारी भी उपस्थित बुनकरों एवं कारीगरों को दी गई। मुख्य अतिथि बीडीओ अजय कुमार दास द्वारा लाभुकों के बीच पीएम विश्वकर्मा आर्टिजन कार्ड एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्ड और प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले कारीगरों में उत्साह देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की योजनाओं का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, आर्थिक सहायता और बाजार से जोड़कर उनके हुनर को मजबूत करना है।समारोह में देवघर से एओडीबी मैनेजर पयुष कुमार, जिला समन्वयक नीरज कुमार, प्रधान लिपिक संजय कुमार,आदेश पाल बुनकर राजेश कुमार सहित बुनकर प्रशिक्षण केंद्र से जुड़े कर्मी, बुनकर,महिला कारीगर एवं अन्य लोग मौजूद थे।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प के संरक्षण, संवर्धन तथा स्थानीय बुनकरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप बुनकरों को प्रशिक्षित कर उनके पारंपरिक हुनर को नई पहचान दिलाई जा सकती है।

युवा शक्ति ही झारखंड के भविष्य की दिशा तय करेगी: सुदेश कुमार महतो

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : युवा आजसू का दो दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवेशन का प्रथम दिवस आज टाउन हॉल, सिदगोड़ा, जमशेदपुर में उत्साहपूर्ण एवं ऊर्जावान वातावरण में संपन्न हुआ। अधिवेशन में राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में युवा प्रतिनिधियों ने भाग लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष श्री सुदेश कुमार महतो उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में मांडू विधायक श्री निर्मल महतो (तिवारी महतो), पूर्व मंत्री एवं केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस तथा गोमिया के पूर्व विधायक एवं केंद्रीय महासचिव डॉ. लम्बोदर महतो शामिल रहे।

अपने संबोधन में सुदेश कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में झारखंड को नई दिशा देने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे जनहित के मुद्दों पर सजग, संगठित और संघर्षशील बनकर राज्य के विकास तथा बेहतर भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने कहा कि हम युवाओं के हाथों में नेतृत्व देखना चाहते हैं। जब तक युवा आगे बढ़कर नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं संभालेंगे, तब तक प्रदेश की दशा और दिशा नहीं बदल सकती। आजसू पार्टी युवाओं को नेतृत्व सौंपने के संकल्प के साथ यह अधिवेशन आयोजित कर रही है। चुनावी परिणाम चाहे जो हों, आजसू ने हमेशा झारखंड के विकास की एक अलग पहचान बनाई है। इस अधिवेशन के माध्यम से हमारा उद्देश्य कल, आज और आने वाले कल का सशक्त आजसू तैयार करना है।कार्यक्रम को केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो, प्रो. रविशंकर मौर्य, संजय मेहता, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक टिकैत महतो, अब्दुल जब्बार, पीयूष चौधरी, रविन्द्र ठाकुर,उज्जवल महतो, जमशेदपुर जिला संयोजक श्री मंटू शुक्ला, राधिका साहू सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय सचिव हरीश कुमार ने किया।

अधिवेशन में युवा सशक्तिकरण, आर्थिक आत्मनिर्भरता, राजनीतिक भागीदारी, स्वरोजगार तथा संगठन के सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई तथा कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।इस अवसर पर केंद्रीय महासचिव उमेश सिंह भोगता, केंद्रीय सचिव चंद्रगुप्त सिंह, डोमन टुडू, केंद्रीय मीडिया संयोजक श्री परवाज खान, जमशेदपुर जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह, जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी, आजसू छात्रसंघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष श्री बबलू महतो, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज सिंह, सचिव अंजू तिर्की, युवा नेता करण महतो, प्रताप सिंह, अमित यादव, राजकिशोर महतो सहित युवा आजसू के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेपीएससी जेएसएससी के मुद्दे पर सदन के बाहर और भीतर हंगामा, ठप रही कार्यवाही

रांची(एजेंसी) :झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र शुक्रवार को जेपीएससी और जेएसएससी की विवादित परीक्षाओं के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया।सदन के बाहर और भीतर इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया। दूसरे दिन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी विधायक परीक्षाओं की सीबीआइ जांच की मांग को लेकर वेल में पहुंच गये और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।नौकरी के दुश्मन गद्दी छोड़, हेमंत सोरेन इस्तीफा दो और परीक्षाओं की सीबीआइ जांच कराओ जैसे नारों से सदन गूंजता रहा।इस दौरान स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने माहौल शांत कराने का प्रयास करते हुए विपक्ष के नारों पर चुटकी ली और कहा, पहले नीट वाला होगा या जेपीएससी वाला होगा।स्पीकर ने विधायकों से अपनी सीटों पर लौटने और प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा कि यह मॉनसून सत्र है।इसलिए खेती-किसानी और जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। जनता के सवाल हैं, उन्हें सदन में आने दें।हालांकि, विपक्ष ने उनकी अपील नहीं मानी और करीब 20 मिनट तक लगातार हंगामा जारी रखा। इसके बाद स्पीकर ने दोपहर 12.30 बजे सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर भी विपक्ष का विरोध जारी रहा।विपक्ष के विधायक वेल में घुस गये।हंगामे के बीच वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पहला अनुपूरक बजट और बैंकिंग रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी, जिसके बाद कार्यवाही फिर स्थगित कर दी गयी।प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सदन में कहा कि झारखंड की सभी परीक्षाओं में गड़बड़ी हुई है। जेएसएससी की सहायक आचार्य, सीजीपीएल व पोस्ट ग्रेजुएट टीचर और जेपीएससी की 11वीं, 13वीं और 14वीं परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। इसको लेकर छात्र-नौजवान सड़क पर हैं. अदालत की निगरानी में सीबीआइ जांच करायें। इससे कम में कोई समझौता नहीं होगा।संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि कार्यमंत्रणा की बैठक हुई।सरकार ने साफ कहा है कि अनुपूरक बजट में चर्चा के दौरान समय मिलेगा, अपनी बात रखें।सरकार जवाब देने के लिए तैयार है।सरकार की मंशा साफ है. छात्रहित में सरकार काम कर रही है।मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि बाबूलाल मरांडी की चिंता जायज है। लेकिन, पहली और दूसरी जेपीएससी परीक्षा की जांच का क्या फलाफल रहा। इनको बताना चाहिए कि उस जांच का क्या हुआ।इनके रिश्तेदार आज भी नौकरी कर रहे हैं।

आजसू ने सौंपा सरकार को डिमांड चार्टर,छात्रों की माँग पूरी करे सरकार : संजय मेहता

रांची (एजेंसी) : आजसू पार्टी ने सरकार को जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं से संबंधित माँग पत्र सौंपा है। पार्टी के महासचिव संजय मेहता ने माँग पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय को दिया है। संजय मेहता ने बताया की छात्रों से संवाद कर उनकी मांगों और भावनाओं से हमने सरकार को अवगत कराया है। पार्टी छात्रों के सभी माँग के साथ खड़ी है। जब तक माँग पूरी नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा। पार्टी छात्रों के माँग के साथ खड़ी है और हर मुद्दे पर उनका समर्थन करती है। पार्टी ने इससे पूर्व जेपीएससी कार्यालय घेराव, राजभवन घेराव, गवर्नर से मुलाकात कर छात्रों की माँग से अवगत कराया था। झारखंड के युवा अभ्यर्थियों की ओर से मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार को एक विस्तृत चार्टर ऑफ डिमांड्स सौंपा गया है। इसमें झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में बार-बार हो रहे पेपर लीक, धांधली, अनियमितताओं, विलंब और विवादित बाहरी एजेंसियों की भूमिका को लेकर आ रही समयस्याओं के समाधान का रास्ता भी बताया गया है। पेपर लीक के कारण लाखों मेधावी युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने तथा परीक्षा प्रणाली पर जन-विश्वास बहाल करने की माँग आजसू द्वारा प्रमुखता से की गई है।संजय मेहता ने डिमांड चार्टर में कहा है कि वर्षों की कठिन मेहनत के बाद परीक्षाएँ रद्द होने या विवादों में घिरने से युवाओं का धैर्य और विश्वास पूरी तरह टूट चुका है। युवा सड़कों पर ठोकरें खा रहे हैं। राज्य सरकार से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट मॉडलों, भारत के यूपीएससी, अमेरिका के मॉडल तथा ई विकल्प प्रणाली का अध्ययन कर तत्काल व्यापक सुधार की पहल करने की माँग की गई है।चार्टर की 10 प्रमुख माँगें 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा एवं जेपीएससी/जेएसएससी की सभी वर्तमान विवादित परीक्षाओं को तुरंत रद्द किया जाए।विवादित परीक्षाओं एवं टीडीपीएल एजेंसी द्वारा ली गई सभी परीक्षाओं को तत्काल रद्द किया जाए। इसकी सीबीआई जाँच हो। टीडीपीएल एजेंसी द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं तथा राज्य की जिन भी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, अनियमितता या धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं, उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। सीबीआई जाँच हो। जेपीएससी जेएसएससी की विवादित परीक्षा को पूर्णतः रद्द किया जाए। इसकी नियुक्ति प्रक्रिया की सीबीआई जांच कर दोषियों को सजा दी जाए। अभय तिवारी नाम का व्यक्ति जिस भी परीक्षा में पास हुआ है उन सभी परीक्षा को रद्द किया जाए। जेपीएससी जेएसएससी की सभी परीक्षाओं का कट ऑफ जारी किया जाए। रद्द परीक्षाओं का एक नया और पारदर्शी समयबद्ध कार्यक्रम घोषित कर पुनः निष्पक्ष आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

प्रभावित अभ्यर्थियों को हुई मानसिक और आर्थिक क्षति के लिए पूर्ण क्षतिपूर्ति दी जाए तथा आगामी परीक्षाओं में आयु सीमा में उचित छूट दी जाए।समयबद्ध सीबीआई जाँच और कठोर कार्रवाई।जेपीएससी जेएसएससी एवं अन्य राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में हुई सभी अनियमितताओं की जाँच बिना विलंब के केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपी जाए। सरकार इसकी अनुशंसा अतिशीघ्र करे। सीबीआई को अधिकतम 6 महीने के भीतर अपनी अंतिम जाँच रिपोर्ट राज्य सरकार एवं जनता के समक्ष प्रस्तुत करने की वैधानिक बाध्यता तय की जाए। जाँच को लंबा न खींचा जाए।

दोषियों के सजा के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना हो। जाँच के दौरान दोषी अधिकारियों, ठेकेदारों, बिचौलियों एवं संदिग्ध एजेंसियों के विरुद्ध त्वरित एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए। संजय मेहता ने कहा की 14 वीं जेपीएससी की पीटी की वैधानिकता पूर्णतः सवालों को घेरे में है। इस विषय में अब एक स्पष्ट माँग है की पीटी को रद्द कर। पुनः परीक्षा तभी आयोजित हो जब एक बेहतर सुरक्षा और पारदर्शी परीक्षा संचालन विकसित हो जाए। इसे सरकार एक माह के भीतर करे।आजसू ने कहा है की झारखंड का युवा राज्य के विकास की रीढ़ है। यदि पारदर्शी और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली स्थापित नहीं की गई, तो युवाओं का प्रतिभा-पलायन और असंतोष राज्य के भविष्य के लिए अत्यंत चिंताजनक होगा। राज्य के हालात बिगड़ रहे हैं। आजसू ने तुरंत माँगों को पूर्ण करने की माँग की है।

क्या केंद्र के इशारे पर मुझ पर स्याही फेंकी गई,हमला करने वाला आरएसएस-भाजपा समर्थक, पुलिस उसकी आइडेंटिटी उजागर करे:नेहा बोरा

रांची (एजेंसी) : भाजपा चाहे जितनी सहानुभूति जता लें, उन्होंने स्टूडेंट मोमेंट को जिस तरह से कुचला है, छात्र -युवा उसे भूले नहीं हैं। वह हिपोक्रेसी दिखा रहे हैं। जबकि, स्टूडेंट मूवमेंट को आगे नहीं रोका जा सकता है. मैं चाहूंगी सीजेपी इस आंदोलन और छात्र मूवमेंट का हिस्सा बने। विधानसभा मार्च के दौरान खुद पर स्याही फेंके जाने पर आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा ने भाकपा माले के विधायक आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया।इस दौरान उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा डलवाया इसलिए वे छात्र आंदोलन पर हमला करवा कर परोक्ष राजनीति कर रहे हैं।शुक्रवार को रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) और इंकलाबी नौजवान सभा द्वारा आयोजित संयुक्त मार्च का नेतृत्व कर रही थीं।लेकिन जैसे ही उनका काफिला पुराना विधानसभा से होते हुए करेली स्कूल के पास पहुंचा, किसी अज्ञात युवक ने उनके ऊपर पीछे से स्याही फेंक दी। विधानसभा मार्च के दौरान खुद पर स्याही फेंके जाने पर आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने कहा कि वह ऐसी हरकतों से वह डरने वाली नहीं हैं. यह वही लोग हैं, जो तार्किक तौर पर इन हालातों का सामना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि खुद को छात्रों के हितैषी बताते हैं और परोक्ष रूप से राजनीति करते हैं, वे ऐसी नीच हरकतें करवा रहे हैं।

नेहा बोरा ने स्पष्ट किया कि छात्र आंदोलन नफरत की राजनीति को करारा जवाब देगा।इस तरह के हमलों से छात्रों और युवाओं का हौसला कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जब 20 जुलाई को आंसू गैस और पैलेट गन का सामना किया, तो यह मामूली स्याही छात्रों का गुस्सा और आंदोलन नहीं दबा सकती। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने तीन मांगों को प्रमुखता से रखा। इनमें 14वें जेपीएससी परीक्षा को तत्काल रद्द करने के साथ ही जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द कर नया शेड्यूल जारी करने, परीक्षा लेने वाली एजेंसियों को जांच के दायरे में लाने और शिक्षा व्यवस्था में घुस कर गड़बड़ी करने वाले प्राइवेट कंपनियों और अस्थाई लोगों की जगह पर इसकी जिम्मेदारी सरकारी संस्थाओं को देने की मांग की।ताकि, इसकी पूरी जवाबदेही सीधी सरकार से ली जाए। उन्होंने कहा हम सभी इन तीनों मांगों को लेकर ही मार्च में शामिल हुए थे।नेहा बोरा ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा में चल रहे प्रदर्शन में आइसा शुरूआत से ही शामिल रहा है। मेरा यहां आना उसी छात्र आंदोलन का हिस्सा है। 10 अगस्त के मार्च को हमारा सक्रिय समर्थन है।आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने कहा कि छात्रों युवाओं के सवाल पर बिरसा मुंडा चौक से मार्च निकाला जा रहा था। मेरे साथ साथ महिला साथी विभा सहित बड़ी संख्या में छात्राएं साथ में नारेबाजी करती हुई चल रही थीं, तभी अमरनाथ पांडे नामक 26 साल के युवक ने पीछे से मेरे कपड़ों, बाल और चेहरे पर स्याही डाल दी। हम लोगों ने चेहरे पर से स्याही पोंछी और मार्च में आगे बढ़ गए।उन्होंने बताया कि जानकारी मिली कि युवक हजारीबाग का रहने वाला था और हिंदी ऑनर्स विनोबा भावे यूनिवर्सिटी पढ़ाई कर रहा है जिसने स्याही फेंकी है, वह युवक आरएसएस का मेंबर है।प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाकपा- माले के पूर्व विधायक विनोद सिंह, विधायक अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और कहा कि भाजपा-आरएसएस के लोगों का पूर्व नियोजित कार्यक्रम था।इस तरह की धमकियां नेहा के झारखंड आगमन के पहले से ही की जा रही थी। यह छात्र - युवाओं के आंदोलन को कुचलने का प्रयास है। इसकी उच्चस्तरीय जांच की जानी चाहिए।

आइसा का सस्ती लोकप्रियता व भ्रामक राजनीतिक नेरेटिव गढ़ने का प्रयास है : एबीवीपी

रांची (एजेंसी) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने जेपीएससी एवं जेएसएससी से जुड़े विषयों को लेकर आयोजित प्रदर्शन में आइसा द्वारा लगाये जा रहे आरोप को निराधार, भ्रामक एवं सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का प्रयास बताया है।विद्यार्थी हितों के वास्तविक प्रश्नों पर गंभीर चिंतन करने की जगह प्रायोजित घटनाओं तथा राजनीतिक प्रचार के माध्यम से मीडिया की सुर्खियां बटोरना आइसा की पुरानी कार्यशैली रही है। रांची की घटना भी उसी कड़ी का हिस्सा प्रतीत होती है। परिषद की ओर से राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि विद्यार्थी हितों के प्रश्नों के स्थान पर स्याही प्रकरण को राजनीतिक हथियार बनाकर सुर्खियां बटोरना आइसा की कार्यशैली को उजागर करता है। यदि किसी घटना की जांच अपेक्षित है, तो वह निष्पक्ष रूप से होनी चाहिए।

जमीन के नाम पर 4.20 लाख की ठगी, विरोध करने पर घर में घुस कर मारपीट और धमकी

रांची (एजेंसी) : बीआइटी मेसरा ओपी (सदर) क्षेत्र में जमीन दिलाने के नाम पर 4.20 लाख रुपये हड़पने और विरोध करने पर घर में घुस कर गाली-गलौज व मारपीट करने का मामला सामने आया है।इस संबंध में नेवरी विकास निवासी मुन्नी कुमारी ने अशोक कुमार मेहता के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है।पीड़िता के अनुसार अशोक मेहता ने पहले उन्हें केंदुआ टोली नेवरी में जमीन दिखा कर 70,000 रुपये नकद लिये। जब वह वहां काम कराने पहुंचीं, तो असली जमीन मालिक ने रोक दिया।इसके बाद आरोपी ने मौजा मेसरा में दूसरी जमीन दिखा कर टोकन के नाम पर 3.50 लाख रुपये और ले लिये।इस तरह आरोपी ने कुल 4.20 लाख रुपये ऐंठ लिये। बाद में पीड़िता को पता चला कि अशोक ने जमीन मालिक को पैसे दिये ही नहीं हैं।

ट्रुथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

राजकमल में ब्रह्माकुमारी संस्थान ने नशा मुक्ति के लिए बच्चों को किया जागरूक

पहले आप बाद में नशा आपको पीता है, यह आत्मघाती कदम : सन्नी सिंह

ब्रह्माकुमारी संस्थान का नशा मुक्ति कार्यक्रम एक प्रशंसनीय कदम : सुमन्त कुमार मिश्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःब्रह्मा कुमारी प्रजापति विश्वविद्यालय संस्थान के अधिकारियों ने शुक्रवार को राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर अशोकनगर धनसार धनबाद के नवीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को नशा से होने वाली हानियों के बारे में बताया ।इस संस्थान के सन्नी सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कि एक बार भी आप नशीली पदार्थों का सेवन करते हैं तो इसको आदत में बदलने में देर नहीं लगेगी ।पहले आप इसका सेवन करते हैं फिर यह आपका सेवन करता है। उन्होंने आप बीती कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि मुझे मेरे मित्रों ने नशा सेवन के लिए कई तरह के प्रलोभन दिए,अनुरोध किया, मनाने का प्रयास किया किंतु मैंने दृढ़ संकल्प लिया था कि जीवन में कभी भी नशा का सेवन नहीं करूंगा। इसी तरह आप सब भी संकल्प लें कि आप आजीवन नशीली पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे। राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में आकर मुझे सुखद अनुभूति हुई कि आपके विद्यालय में वंदना इस तरह की होती है। आपके संस्कार अच्छे हैं। आप नशा की और बढ़ेंगे यह सोचना भी गलत होगा।

विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने भी ब्रह्माकुमारी संस्थान से आए अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वंदना सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नशा करना आत्मघाती कदम है। इससे दूर रहना चाहिए ।प्राचार्य श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि ब्रह्माकुमारी प्रजापति संस्थान का नशा मुक्ति अभियान एक प्रशंसनीय कदम है, विशेष कर विद्यालय, महाविद्यालय में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को नशा के प्रति जागरूक करना अच्छी बात है। मंच संचालन हिंदी विभाग के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा ने किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, उप प्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्या लीला सिंह के अलावा प्रभारी एवं शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थी।

कतरास छाताबाद में जमीन धंसी, छह घर जमींदोज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कतरास छाताबाद में शुक्रवार शाम करीब चार बजे एक बार फिर भू-धंसान की घटना हुई। अचानक करीब 10 फीट जमीन धंस जाने से करीब एक दर्जन घर जमींदोज हो गये। घटना के समय कई लोग घरों में मौजूद थे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। भू-धंसान में मो सज्जाद के आठ परिवार के सदस्य घर के अंदर फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सीढ़ी के सहारे सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में एक बुजुर्ग महिला घायल हो गईं। वह घर में सो रही थीं, तभी दीवार उनके ऊपर गिर गई, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई है। घटना से मोहम्मद सज्जाद, मोहम्मद नईम, मोहम्मद रियाज, मोहम्मद मुर्तजा, मोहम्मद कलाम, मोहम्मद इमामुल सहित कई परिवार प्रभावित हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का माने तो शाम करीब चार बजे अचानक जोरदार आवाज के साथ भू- धंसान शुरू हो गई। जमीन में कंपन होने लगी। अचानक भूधंसान से होने लगी। लोग भागने लगे। स्थानीय लोगों का माने तो बगल में न्यू आकाशकिनारी कोलियरी में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनी में हैवी ब्लास्टिंग के कारण यह घटना घटी है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, बीसीसीएल प्रबंधन एवं स्थानीय लोग राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए हैं। पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई जारी है। आस पास के घरों से सामानों को निकालने का काम शुरू कर दिया है। घटनास्थल पर कतरास, बाघमारा,बरोरा, सोनारडीह, धमाबांध, मधुबन, महुदा सहित आस की पुलिस मौके पर पहुंची। पार्षद मो शहाबुद्दीन, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि मासूम खान ने लोगों को समझा बूझाकर कर शांत कराया। फिलहाल पुलिस ग्रामीणों से बात कर रही है ताकि प्रभावित परिवार को उचित मुआवजा व पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित कराया जा सके।

पुलिस लाइन में लगा वाटर कूलर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा एवं धनबाद रॉकवुल की ओर से धनबाद पुलिस लाइन परिसर में स्थायी शीतल पेयजल (वाटर कूलर) मशीन स्थापित की गई। इसका उद्घाटन शुक्रवार को वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब एवं अन्य पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के अवसर पर एसएसपी प्रभात कुमार ने मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा एवं धनबाद रॉकवुल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस लाइन में वाटर कूलर स्थापित होने से यहां कार्यरत पुलिस अधिकारियों, जवानों तथा आने वाले आगंतुकों को गर्मी के मौसम में शुद्ध एवं ठंडा पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं द्वारा जनहित में किए जा रहे ऐसे कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया ।कार्यक्रम में सार्जेंट मेजर अवधेश कुमार, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, राष्ट्रीय रक्तदान संयोजक विवेक लीलहा, मारवाड़ी युवा मंच गोविंदपुर शाखा के अध्यक्ष शैलेश बंसल, धनबाद रॉकवुल के दिनेश हेलिवाल, अधिवक्ता आदित्य अग्रवाल, अमित बजाज समेत अन्य गणमान्य नागरिक, पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। आयोजकों ने कहा कि सामाजिक दायित्व के तहत इस प्रकार की जनोपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराने का उद्देश्य जरूरतमंदों एवं आम लोगों को राहत पहुंचाना है। पुलिस लाइन में वाटर कूलर की सुविधा शुरू होने से पुलिसकर्मियों के साथ-साथ परिसर में आने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा।

विभागों में बेहतर समन्वय स्थापित कर सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाएं : डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को धनबाद क्लब में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की अंतर-विभागीय समीक्षा सह समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसमें जनहित की कई महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से डीएमएफटी मद से स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने और सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा मजबूत करने पर जोर दिया गया। ग्रामीण व खनन प्रभावित क्षेत्रों में आजीविका के नए साधन तैयार करने तथा कुपोषण से निपटने के लिए जारी पहलों की समीक्षा की गई। पेयजल संकट के स्थाई समाधान के लिए जल संरक्षण परियोजनाओं और क्षेत्र में सड़क व अन्य जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण कार्य को गति देने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण काम पूरा करने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने का निर्देश दिया। बैठक में डीएमएफटी के अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की अद्यतन कार्य प्रगति एवं एजेन्सीवार समीक्षा की गई। भूमि विवाद एवं ग्राम सभा स्तर से लंबित प्रस्तावों का शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया गया। नई स्वीकृत योजनाओं की निविदा प्रक्रिया तथा कार्य शुरू करने की अद्यतन स्थिति तथा विभिन्न मदों में किए गए भुगतान की समीक्षा की गई। सबसे पहले समाज कल्याण विभाग तथा महिला, बाल विकास एवं कल्याण विभाग की समीक्षा की गई। इसके बाद शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) एवं श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट (एसएसएलएनटी) अस्पताल तथा बैठक के अंत में भौतिक आधारभूत संरचना, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा की गई। वन स्टॉप सेंटर, आइसीडीएस, सर्विस डिलीवरी स्टेटस, आभा आईडी, पीएम मातृ वंदना योजना की समीक्षा की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विशेष रूप से मातृ स्वास्थ्य एवं संस्थागत प्रसव की स्थिति पर चर्चा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निरसा, बलियापुर, बाघमारा एवं झरिया प्रखंडों में संस्थागत प्रसव की कम दर पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के वेतन पर रोक लगाने तथा वेतन वृद्धि से संबंधित फाइल आगे बढ़ाने पर भी रोक लगाने का निर्देश दिया। बाघमारा, बलियापुर, झरिया एवं निरसा के संबंधित सीएचओ के वेतन पर रोक लगाने और स्पष्टीकरण का निर्देश दिया।

जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा घोटालों की सीबीआई जांच हो: राज सिन्हा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शुक्रवार को विधानसभा में जेपीएससी और जेएसएससी में घोटाले का मामला उठाया। राज्य के लाखों छात्र- युवाओं से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार का ध्यान युवाओं के भविष्य, स्वास्थ्य सेवाओं तथा चिकित्सा व्यवस्था की कमियों की ओर आकर्षित किया। विधायक राज सिन्हा ने विधानसभा में कार्यस्थगन सूचना के माध्यम से जेपीएससी एवं जेएसएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे प्रश्नपत्र लीक, अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने राज्य के लाखों मेहनती एवं प्रतिभाशाली युवाओं का विश्वास तोड़ा है। वर्तमान में हजारों अभ्यर्थी सड़कों पर आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज सुनने के बजाय मौन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 16 प्रत्येक नागरिक को समान अवसर एवं निष्पक्ष प्रतियोगिता का अधिकार प्रदान करते हैं, किंतु लगातार हो रही अनियमितताओं ने इन संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। सरकार को तत्काल सीबीआई जांच का आदेश देकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि युवाओं का विश्वास पुनः स्थापित हो सके। इसके साथ ही विधायक राज सिन्हा ने विधानसभा में राज्य के प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों की बदहाल स्थिति का भी मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि धनबाद विधानसभा क्षेत्र सहित राज्य के लगभग 35,500 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों को पिछले दो वर्षों से विकास अनुदान की राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। विकास अनुदान नहीं मिलने के कारण विद्यालयों में मरम्मत, रंग-रोगन, सफाई, चॉक-डस्टर, बिजली, स्टेशनरी सहित अन्य आवश्यक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से अविलंब विकास अनुदान की राशि जारी कर राज्य के सरकारी विद्यालयों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की मांग की, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही विधायक ने विधानसभा में धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तथा सदर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाए। उन्होंने कुपोषित बच्चों के उपचार हेतु संचालित माल न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर की व्यवस्था, ऑक्सीजन प्लांट की कार्यशीलता, ऑडियोमेट्री जांच सुविधा, आधुनिक चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य संसाधनों की कमी जैसे विषयों पर सरकार से जवाब मांगा। ऑडियोमेट्री की कमी का मामला भी उठाया विधायक राज सिन्हा ने कहा कि झारखंड के युवाओं को पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, निष्पक्ष प्रतियोगी परीक्षाएं और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सदन से लेकर सड़क तक छात्रों, युवाओं एवं आम जनता के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी और किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार, अनियमितता एवं जनहित की उपेक्षा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

71 वें विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार में धनबाद को मिलें 22 शिल्ड

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा, पटना स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा वर्ष 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया. धनबाद मंडल ने 71वें विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। मंडल द्वारा विभिन्न विभागों में बेहतर कार्य निष्पादन, सुरक्षा, समयपालन, स्वच्छता एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए कई शील्ड हासिल की गई. धनबाद मंडल को उत्कृष्ट कार्य दक्षता हेतु महाप्रबंधक ओवरऑल एफिशिएंसी शील्ड सहित कार्मिक शाखा दक्षता शील्ड, बेस्ट फ्रेट डिपो(बरवाडीह), सर्वोत्तम आपदा प्रबंधन दक्षता शील्ड, सी एंड डब्लू एफिशिएंसी शील्ड, टेलीकॉम दक्षता शील्ड, कार्य दक्षता शील्ड, सुरक्षा शील्ड, बेस्ट इलेक्ट्रिक लोको शेड शील्ड(पतरातू), बिजनेस डेवलपमेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शील्ड दिए गए। नॉन-फेयर रेवेन्यू शील्ड, कमर्शियल एफिशिएंसी शील्ड, बिल रिकवरी शील्ड, ट्रैक मशीन शील्ड, इंजीनियरिंग दक्षता शील्ड, बेस्ट हेल्थ यूनिट शील्ड(चोपन), मेडिकल एफिशिएंसी शील्ड, माल ढुलाई दक्षता शील्ड, टर्मिनल दक्षता शील्ड, पी.सी.ओ.एम. समग्र दक्षता शील्ड, कानूनी दक्षता शील्ड एवं स्काउट्स एंड गाइड्स शील्ड से पुरस्कृत किया गया. धनबाद मंडल को कुल 22 शील्ड मिले है जिसमें 09 शील्ड संयुक्त रूप से अन्य मंडलों के साथ मिले है. इसके अलावा धनबाद मंडल में कार्यरत 03 अधिकारियों एवं 15 कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य हेतु महाप्रबंधक स्तरीय विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार- 2026 प्रदान किए गए इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे.

मनीष मिश्रा को काला हीरा स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।भारत कोकिंग कोल नृत्य, संगीत एवं नाट्य संघ की ओर से शुक्रवार को बीसीसीएल के विभागाध्यक्ष (प्रशासन) मनीष मिश्रा को सांस्कृतिक कार्यक्रम ्काला हीरा-2026 स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। संघ के सचिव हेमंत कुमार मंडल, उपाध्यक्ष यू.सी. मिश्रा एवं अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि काला हीरा कोयलांचल की सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ कला एवं संस्कृति से जुड़े कलाकारों और प्रतिभाओं के सम्मान का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। कुछ दिन पूर्व आयोजित दसवें ्काला हीरा् कार्यक्रम में देश के 13 राज्यों से आए सांस्कृतिक एवं नाट्य मंचों के कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकारों ने भी भाग लिया था। विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजे इस आयोजन की सर्वत्र सराहना हुई। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि कला, संस्कृति एवं नाट्य मंचन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना भी संघ का निरंतर प्रयास है। भविष्य में भी इस दिशा में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर कलाकारों एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराया जाएगा। संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने काला हीरा- 2026 में भाग लेने वाले सभी कलाकारों, उनके अभिभावकों तथा धनबाद एवं देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे संस्कृत गुरुओं, अतिथियों व दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

जनगणना के चार्ज अधिकारियों को दी गई ट्रेनिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिला जनगणना हस्तपुस्तिका निर्माण के लिए शुक्रवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय सभागार में में टुंडी, तोपचांची एवं बलियापुर जनगणना के चार्ज अधिकारियों को एक दिवसीय ट्रेनिंग दी गई ।प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के निर्माण से संबंधित क्षेत्रीय कार्यों, डिजिटल डेटा संकलन, गुणवत्ता नियंत्रण, मोबाइल ऐप एवं पोर्टल आधारित कार्यप्रणाली तथा प्रशासनिक दायित्वों के संबंध में चार्ज अधिकारियों को विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची से आए राष्ट्रीय मास्टर प्रशिक्षक मुरारी मोहन ने पावरपॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के निर्माण की प्रक्रिया पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को डीसीएचबी के उद्देश्य, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संदर्भ तिथि, क्षेत्रीय कार्य, डिजिटल डेटा संग्रहण, मोबाइल एप्लीकेशन एवं वेब पोर्टल के उपयोग, अनुमोदन प्रक्रिया, डेटा सत्यापन तथा गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि जिला जनगणना हस्तपुस्तिका केवल एक सांख्यिकीय प्रकाशन नहीं, बल्कि जिला स्तर पर विकास योजनाओं, प्रशासनिक निर्णयों एवं नीतिगत अनुसंधान के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधार दस्तावेज है। प्रशिक्षण के प्रारंभ में स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर पुष्कर चंद्र झा ने जिला जनगणना हस्तपुस्तिका की मूल अवधारणा, उसकी आवश्यकता, उद्देश्य तथा प्रशासनिक महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डीसीएचबी के माध्यम से प्रत्येक राजस्व ग्राम एवं नगर की आधारभूत सुविधाओं, सामाजिक एवं आर्थिक संरचना का वैज्ञानिक एवं प्रामाणिक दस्तावेज तैयार किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान कनिष्ठ सांख्यिकी पर्यवेक्षक राजकुमार ने वर्ष 2011 की जनगणना के दौरान जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के निर्माण से जुड़े अपने व्यावहारिक अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। उन्होंने बताया कि ग्राम स्तर पर विभिन्न विभागों, स्थानीय संस्थाओं एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से आधारभूत सुविधाओं से संबंधित सूचनाओं का प्रमाणिक संकलन एवं सत्यापन किस प्रकार किया जाएगा तथा क्षेत्रीय कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों का प्रभावी समाधान कैसे किया जा सकता है। जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड के रवि कुजूर ने डीसीएचबी पोर्टल की तकनीकी कार्यप्रणाली का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने चार्ज अधिकारियों को उपयोगकर्ता निर्माण, टेस्ट पोर्टल पर लॉगिन, राजस्व ग्रामों के डेटा का सत्यापन, प्रमाणीकरण एवं अनुमोदन की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया। इसके अतिरिक्त डेटा प्रविष्टि, संशोधन, रिपोर्ट निर्माण तथा अनुमोदन संबंधी सभी तकनीकी प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी। जिला जनगणना कोषांग, धनबाद के कुलदीप ने प्रतिभागियों को टेस्ट डीसई पोर्टल पर ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि एवं पंजीकरण का अभ्यास कराया। नीरज कुमार प्रसाद एवं घनश्याम दुबे ने चार्ज अधिकारियों को क्षेत्रीय कार्य के दौरान राजस्व अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी एवं प्रमाणिक डेटा संकलन सुनिश्चित करने के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सांख्यिकी विभाग के शदेवेंद्र सिंह, बिपिन दत्ता, प्रमोद, अमित, जितेंद्र, मुकेश महतो, शुभम कुमार एवं वासुदेव सहित जिला जनगणना कोषांग एवं संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

झिलिया नदी पर डायवर्सन को बनाने का काम युद्धस्तर पर, जलापूर्ति प्रारंभ करने का प्रयास जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पथ निर्माण विभाग के मैथन मोड़-संजय चौक में झिलिया नदी पर निमार्णाधीन पुल के समीप बह गए डायवर्सन को बनाने का काम युद्धस्तर पर जारी है ।विभाग के सहायक अभियंता संकेत कुमार व जेई मनीष कुमार गुरुवार से ही निर्माणस्थल पर कैंप किए हुए हैं। डायवर्सन बनाने के दौरान पानी की निकासी को लेकर हियुम पाइप की संख्या में बढोत्तरी किया गया है और कोलियरी के ओवर बर्डेन से भराई का काम किया जा रहा है। दोनों अधिकारी अपनी मौजूदगी में कार्य कराते देखे गए। जानकारी हो कि गुरुवार को डायवर्सन बह जाने को लेकर जनप्रतिनिधि के साथ साथ स्थानीय लोगों के कोपभाजन का शिकार विभाग के कार्यपालक अभियंता से लेकर जेई तक को बनना पड़ा था। संभावना है कि देर रात तक डायवर्सन का काम पूरा कर दिया जाएगा ।वहीं कुमारधुबी ग्रामीण जलापूर्ति योजना का बह गए राइजिंग पाइप मरम्मति का कार्य भी धीमी गति के साथ किया जा रहा है। कार्यस्थल पर पीएचईडी विभाग के अधिकारी नदारद दिखे। सप्लाई करने वाले एजेंसी के कर्मी सुबह से डायवर्सन बनाने के कार्य में लगे जेसीबी व हाइड्रा मशीन के सहयोग से पाइप को सीधा कर अस्थाई तौर पर जलापूर्ति प्रारंभ करने के प्रयास में लगे देखे गए। वहीं विभाग के जेई मो तस्कीन का कहना है कि जबतक डायवर्सन नहीं बन जाता है तबतक राइजिंग पाइप को सपोर्ट नहीं मिल पाएगा ।पीएचईडी विभाग पानी सप्लाई करने वाली एजेंसी के द्वारा दिए गए लिखित पत्र को गंभीरता से लेता तो आज डेढ़ लाख की आबादी के समक्ष दो दिन से जलसंकट नहीं होता राइजिंग पाइप के बह जाने के बाद भी विभाग को जलापूर्ति चालू कराने को लेकर जितना गंभीरता दिखाना चाहिए था उतना गंभीर धरातल पर नहीं दिख रहा है जिससे लोगों में पीएचईडी विभाग के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है। भाकपा माले नेता नागेंद्र कुमार ने कहा कि जलापूर्ति को लेकर विभाग गंभीर नहीं दिख रहा है। विभाग का अदना सा अधिकारी भी पाइप मरम्मति के दौरान मौजूद नहीं है ।भाजपा नेता डीएन पाठक ने कहा कि शनिवार से क्षेत्र में जलापूर्ति प्रारंभ नहीं होता है तो वे निमार्णाधीन पूल के समक्ष ही सैकड़ों लोगों के साथ धरना पर बैठ जाएंगे ।कहा कि राइजिंग पाइप का स्थायी समाधान करने की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

क्रशर प्लांट में चोरी करते दो आरोपी गिरफ्तार, तीसरे की तलाश जारी

साहिबगंज (एजेंसी) : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के महादेवगंज स्थित एक क्रशर प्लांट में चोरी के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में थाना कांड संख्या 142/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि महादेवगंज स्थित छोटू यादव के क्रशर प्लांट में चोरी की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मिजाचौकी थाना क्षेत्र के तेतरिया निवासी अरमान बैठा एवं परवेज अंसारी को गिरफ्तार किया। दोनों के विरुद्ध जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 142/26 दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। चोरी की घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच जारी है और आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

मोबाइल चोरी के बाद खाते से तीन लाख रुपये की ठगी, मामला दर्ज

साहिबगंज (एजेंसी) : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा पचगढ़ निवासी देवदास साह के मोबाइल की चोरी के बाद उनके बैंक खाते से करीब तीन लाख रुपये की ठगी कर ली गई। इस संबंध में पीड़ित ने जिरवाबाड़ी थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है।देवदास साह ने बताया कि कुछ दिन पूर्व उनका मोबाइल चोरी हो गया था। किसी कारणवश उन्होंने तत्काल इसकी सूचना थाना में नहीं दी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके चोरी हुए मोबाइल का दुरुपयोग करते हुए उनके खाते से करीब तीन लाख रुपये की निकासी/ऑनलाइन ठगी कर ली।मामले में जिरवाबाड़ी थाना में आईटी एक्ट एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कांड संख्या 144/26 दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है तथा ठगी करने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है।

डीएसपीएमयू : टीआरएल के विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के अंतर्गत संताली, मुंडारी, खड़िया, हो, कुड़ुख, कुड़माली, पंचपरगनिया, नागपुरी और खोरठा के स्नातक (सत्र 2026-2030) में नव नामांकित छात्र छात्राओं का स्वागत किया गया।इस अवसर पर रांची विवि कुड़ुख विभाग पूर्व अध्यक्ष डॉ हरि उरांव ने कहा कि विद्यार्थी विभाग और विवि के अनुशासन को बनाये रखेंगे।सभी नौ विभाग के समन्वयक डॉ विनोद कुमार ने छात्रों को इन विषय को चुनने एवं इसमें अपना करियर बनाने की शुभकामनाएं दी। मंच संचालन संजय साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ मालती बागिसा लकड़ा ने किया।कार्यक्रम में डॉ डुमनी माई मुर्मू, संतोष मुर्मू, डॉ सीता कुमारी, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ दशमी ओड़ेया, डॉ मालती बागिसा लकड़ा, शांति केरकेट्टा, सुशीला कुमारी, लक्ष्मीकांत प्रमाणिक, डॉ निताई चंद्र महतो, अशोक कुमार पुरान, सत्येंद्र नाथ साहु, एस्टेला टोप्पो, हेमंत आदि उपस्थित थे।

रांची के अंजनी को राष्ट्रपति ने सौंपा यूक्रेन के राजदूत का नियुक्ति पत्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रांची की बरियातू हाउसिंग कॉलोनी के रहनेवाले व भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अंजनी कुमार सहाय को यूक्रेन का राजदूत नियुक्त करने संबंधी पत्र सौंपा।विदेश मंत्रालय ने इनकी नियुक्ति की घोषणा सात जुलाई को की थी। श्री सहाय सपरिवार शनिवार को यूक्रेन के लिए रवाना हो जायेंगे। श्री सहाय इससे पूर्व माली व मॉरिटानिया में भी भारत के राजदूत रह चुके हैं।

जबरन सेवानिवृती देने पर होटल अशोक के कर्मियों ने दिया धरना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भारत पर्यटन विकास निगम के द्वारा जबरन सेवानिवृत्त कराये गये होटल अशोक के कर्मियों ने शुक्रवार को धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का नेतृत्व करते हुए कर्मचारी पंकज कुमार ने बताया कि 2020 में होटल रांची अशोक के हस्तांतरण के लिए भारत पर्यटन विकास निगम व झारखंड सरकार के बीच एमओयू हुआ था। इसके बाद झारखंड सरकार की तरफ से भारत पर्यटन विकास निगम को उसके शेयर के मूल्य की अधिकतम राशि का भुगतान कर दिया गया था।कानून के अनुसार कर्मचारी को भी संपत्ति माना गया है।इस मौके पर सुशील कुमार लाल, जीतू सिंह, स्वर्गीय राजन कुमार मिश्रा की पत्नी नीलम मिश्रा ने कहा कि हमारे पति का दो साल का वेतन दिया जाये क्योंकि उनको 58 साल में ही सेवानिवृत्त किया गया था।

रांची वीमेंस कॉलेज की छात्राओं ने लिया स्वदेशी एवं हथकरघा संरक्षण का संकल्प

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची वीमेंस कॉलेज फैशन डिजाइनिंग विभाग में शुक्रवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर यूजी सेमेस्टर तीन व चार की छात्राओं ने हथकरघा वस्त्रों से तैयार किये गये आकर्षक परिधानों की प्रदर्शनी लगायी। जबकि पीजी की छात्राओं ने हस्तनिर्मित कलात्मक वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाकर भारतीय बुनकरों की कला, कौशल एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में डॉ रत्ना सिंह ने स्वदेशी की आत्मा और राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का महत्व विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। डॉ हर्षिता सिन्हा ने फैशन डिजाइनरों की सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए हथकरघा उत्पादों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार में नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया।कोर्स को-ऑर्डिनेटर डॉ प्रतिभा महतो ने हथकरघा वस्त्रों के गुण, विशेषताओं, रासायनिक संरचना एवं विभिन्न उपयोगों की जानकारी दी। प्रोफेसर इंचार्ज डॉ नम्रता सिन्हा ने भारतीय वस्त्र उद्योग में हथकरघा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

नशा मुक्त युवा विकसित भारत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन, राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे विजेता प्रतिभागी

रांची (एजेंसी) : मेरा युवा भारत, झारखंड द्वारा नशा मुक्त युवाझविकसित भारत अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन आर्यभट्ट सभागार, राँची विश्वविद्यालय, राँची में किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों ने आठ विभिन्न प्रतियोगिता श्रेणियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। राज्य भर से आए युवाओं ने नशा मुक्ति के संदेश को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं विचारों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का शुभारंभ झारखंड सरकार के खेलकूद, युवा कार्य एवं पर्यटन विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर किया। अपने प्रेरणादायी उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत का संकल्प केवल सरकार का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक विशेषकर युवाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवा शक्ति ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे

बड़ी आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने इस महत्वपूर्ण अभियान के सफल आयोजन हेतु मेरा युवा भारत, झारखंड की सराहना की।सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में युवाओं को नशा मुक्त समाज के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों, युवा संगठनों एवं समाज की सहभागिता से ही नशे जैसी सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं में सामाजिक चेतना एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने के प्रयासों की सराहना की।दिनभर आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने भाषण, चित्रकला, स्लैम पोएट्री, रील मेकिंग, समूह नृत्य, समूह संगीत तथा नुक्कड़ नाटक जैसी विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नशा मुक्ति का प्रभावशाली संदेश दिया। सभी प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायकों द्वारा किया गया।कार्यक्रम के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि राँची के विधायक सी.पी. सिंह रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि युवा ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन के सबसे प्रभावी माध्यम हैं तथा नशा मुक्त भारत का लक्ष्य युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही साकार होगा। उन्होंने मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए इसे राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं सम्मान प्रदान किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के प्रथम स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागी अब 14 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।इस अवसर पर मेरा युवा भारत, झारखंड के अधिकारियों, जिला युवा अधिकारियों, स्वयंसेवकों, निर्णायकों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल बनाया। यह आयोजन युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

जेपीएससी जेएसएससी में अनियमितताओं के विरोध में एबीवीपी का मशाल जुलूस, मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

दुमका (एजेंसी) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दुमका इकाई ने शुक्रवार को जेपीएससी जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और घोटालों के विरोध में रसिकपुर में मशाल जुलूस निकालकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा की मांग को लेकर नारेबाजी की।

विभाग संयोजक अभिषेक गुप्ता ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं की घटनाएं युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय हैं।छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम कर परीक्षा की तैयारी करते हैं, इसलिए परीक्षा प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कड़ी कार्रवाई की मांग की।

नगर सह मंत्री आदित्य जोशी ने कहा कि झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने भविष्य की परीक्षाओं में ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी, उत्तर कुंजी (आंसर-की) और कटऑफ निर्धारित समय सीमा में जारी करने की मांग की। एसएफएस प्रमुख अनूप दत्त ने कहा कि भर्ती एवं परीक्षा प्रक्रिया में लगातार सामने आ रही कथित अनियमितताओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो एबीवीपी आंदोलन को और तेज करेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और विधानसभा मार्च भी किया जाएगा।कॉलेज अध्यक्ष अमन सेन ने कहा कि जेपीएससी परीक्षा में संताली, खोरठा, नागपुरी, मुंडारी एवं कुड़ुख जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को उचित स्थान मिलना चाहिए।इससे ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान युवाओं को समान अवसर मिलेगा और राज्य की भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षण मिलेगा।कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, नगर अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र चंद्र गोरायं, नगर उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र झा, कॉलेज अध्यक्ष अमन सेन, नगर सह मंत्री आदित्य जोशी, विवेक धर, एसएफएस प्रमुख अनूप दत्त, सोशल मीडिया प्रमुख राज केसरी सहित बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।विभिन्न कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी विरोध-प्रदर्शन में भाग लिया।

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में लोहरदगा में तीन दिनों तक होंगे कार्यक्रम

लोहरदगा (एजेंसी) : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, लोहरदगा द्वारा तीन दिनों तक आदिवासियत, प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विविध सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इसी श्रृंखला की प्रथम कड़ी के रूप में जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में शनिवार को यानि मुख्य आयोजन से एक दिन पूर्व सरकारी स्कूलों में वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की जा रही है।अभियान का शुभारंभ उपायुक्त संदीप कुमार मीणा द्वारा सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, नदिया से किया जाएगा। इस अवसर पर जिले के कई वरीय पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहेंगे।जिला प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि शनिवार को जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में वृक्षारोपण की योजना बनाई गई है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति से सीधे जोड़ना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनमें संवेदनशीलता विकसित करना तथा आदिवासी समाज की प्रकृति-केंद्रित जीवनशैली एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। उपायुक्त श्री संदीप कुमार मीणा सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, नदिया परिसर में प्रथम पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश भी दिया जाएगा, ताकि प्रत्येक विद्यालय परिसर हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का केंद्र बन सके। यह अभियान प्रकृति संरक्षण के सामूहिक संकल्प को सशक्त बनाने के साथ-साथ आदिवासी समाज के प्रकृति के साथ अटूट संबंध को सम्मान देने की दिशा में जिला प्रशासन का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने व संशोधन के लिए 8-9 अगस्त को विशेष शिविर

पलामू (एजेंसी) : विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत पलामू जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 8 और 9 अगस्त को विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। इसमें पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम-पता समेत अन्य विवरण में संशोधन तथा मतदान केंद्र से संबंधित आवश्यक बदलाव के लिए आवेदन कर सकेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने जिले के पात्र नागरिकों से विशेष शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। जिन भारतीय नागरिकों की आयु 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष या

उससे अधिक हो जाएगी और जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे शिविर में पहुंचकर फॉर्म-6 एवं घोषणा-पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं के परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं और वे परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर दर्ज कराना चाहते हैं, वे फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य विवरण में संशोधन की आवश्यकता होने पर भी फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।आवेदक संबंधित मतदान केंद्र पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके अलावा ईसीआईनेट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि एसआईआर-2026 की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से 8 और 9 अगस्त को अपने निकटतम मतदान केंद्र पर पहुंचकर विशेष शिविर का लाभ उठाने तथा अन्य पात्र लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।विशेष शिविर को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सेक्टर पदाधिकारियों और बीएलओ को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, ताकि नागरिकों को मतदाता सूची से संबंधित आवेदन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विश्व आदिवासी दिवस पर टाउन हॉल में दिखेगी आदिवासी कला-संस्कृति की भव्य झलक,सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ लगेगा 10 स्टॉल

पलामू (एजेंसी) : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को मेदिनीनगर स्थित टाउन हॉल में ह्यआदिवासी महोत्सवव्ह का भव्य आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के माध्यम से जिले की समृद्ध आदिवासी कला, संस्कृति, परंपरा एवं विरासत को प्रदर्शित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का संदेश दिया जायेगा।आदिवासी महोत्सव के अवसर पर सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया जायेगा। इसके पश्चात टाउन हॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न पारंपरिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी जायेगी। स-

ांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं, लोककला एवं सांस्कृतिक विविधता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जायेगा।

कार्यक्रम स्थल के बाहरी परिसर में 10 विशेष स्टॉल लगाये जायेंगे, जिनके माध्यम से आदिवासी कला, संस्कृति, परंपरागत जीवनशैली एवं स्थानीय विरासत की झलक देखने को मिलेगी। इन स्टॉलों के माध्यम से आगंतुकों को आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सामुदायिक वन पट्टा का भी वितरण किया जायेगा। इसके माध्यम से पात्र समुदायों को उनके अधिकारों से जोड़ने एवं वनाधिकारों के संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को भी रेखांकित किया जायेगा।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने जिले के स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया है। उन्होंने जिलेवासियों से भी कार्यक्रम में सहभागिता कर आदिवासी कला-संस्कृति एवं समृद्ध विरासत के उत्सव का हिस्सा बनने की अपील की है।विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित ह्यआदिवासी महोत्सवव्ह जिले में आदिवासी संस्कृति, कला, परंपरा और विरासत को सम्मान देने तथा उसे व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

अनशनकारी छात्र राहुल की बिगड़ी तबीयत, आईसीयू में भर्ती, स्वास्थ्य मंत्री ने की मुलाकात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच अनशनकारियों की तबियत अब धीरे धीरे बिगड़ने लगी है। शुक्रवार को आमरण अनशन पर बैठे पलामू निवासी राहुल की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें रांची सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू किया है।वहीं, दोपहर दो बजे के करीब एक और अनशनकारी छात्र की तबीयत बिगड़ गई। वह मंच पर अचानक नारा लगाते-लगाते बेहोश हो गया।इसके बाद उन्हें मौके पर पहले से मौजूद एंबुलेंस से सदर अस्पताल ले जाया गया।वहां, इमरजेंसी में उनका उपचार किया गया। राहुल की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने के बाद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी उनके स्वास्थ्य का हाल जानने के लिए दोपहर करीब 12:30 बजे सदर अस्पताल पहुंचकर उनका हाल चाल पूछा। इस दौरान उन्होंने इलाज कर रहे डॉक्टर से उनकी सेहत को लेकर जानकारी भी ली।साथ ही बेहतर उपचार प्रबंधन करने को कहा। आंदोलनकारी छात्रों ने छात्रों की लगातार बिगड़ रही तबीयत को देखते हुए वहां 24 घंटे मेडिकल इमरजेंसी टीम की तैनाती की मांग की है।घटना की जानकारी मिलने पर एसडीओ और एसडीएम सदर अस्पताल पहुंचे।उन्होंने चिकित्सकों से राहुल के स्वास्थ्य की जानकारी ली और इलाज की व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

10 लाख के इनामी जोनल कमांडर सालुका कायम ने दो महिला माओवादियों के साथ किया आत्मसमर्पण, कोल्हान में माओवादी संगठन को बड़ा झटका

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी) : पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सल विरोधी अभियान के बीच सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 10 लाख रुपये के इनामी जोनल कमांडर सालुका कायम उर्फ भुवनेश्वर उर्फ डांगिल ने शुक्रवार को जिला पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उसके साथ संगठन की दो महिला माओवादी कैडर ने भी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। रांची पुलिस मुख्यालय ने इस आत्मसमर्पण की आधिकारिक पुष्टि की है।आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में कोदो मुनी कोड़ा उर्फ पद्मनी, पिता-गुल्टा कोड़ा उर्फ बोम्बाई कोड़ा, निवासी-रेंगड़ा टोला, बंगलासाई, थाना-टोंटो, जिला-पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। पद्मनी पर झारखंड सरकार द्वारा एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। दूसरी महिला माओवादी पिंकी, निवासी-इचागोड़ा, थाना-गोइलकेरा, जिला-पश्चिमी सिंहभूम ने भी संगठन छोड़कर आत्मसमर्पण किया।पुलिस मुख्यालय के अनुसार सालुका कायम के अन्य नाम सालुका, डांगिल, मारू और भुवनेश्वर हैं। वह प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के साउथ जोन सेंट्रल कमेटी का सक्रिय सदस्य और कोल्हान क्षेत्र में संगठन का प्रभावशाली जोनल कमांडर माना जाता था। उसका नाम लंबे समय से राज्य

के वांछित और इनामी नक्सलियों की सूची में शामिल था। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार वह सोडो कायम का पुत्र तथा कुदाबुरू कायमसाई गांव, थाना-सोनुवा, जिला-पश्चिमी सिंहभूम का निवासी है।पिछले कई महीनों से कोल्हान क्षेत्र में झारखंड पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बलों और अन्य एजेंसियों द्वारा नक्सल विरोधी अभियान लगातार तेज किया गया है। जंगलों में लगातार सर्च ऑपरेशन, माओवादी ठिकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई तथा आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के प्रभाव से संगठन की गतिविधियां कमजोर पड़ रही हैं।सूत्रों के अनुसार सुरक्षा बलों के लगातार दबाव, संगठन की घटती ताकत, संसाधनों की कमी और सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर सालुका कायम ने आत्मसमर्पण का फैसला लिया। उसके आत्मसमर्पण को कोल्हान में माओवादी संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि सालुका कायम लंबे समय से माओवादी संगठन की गतिविधियों के संचालन, कैडरों की भर्ती और विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। उसके मुख्यधारा में लौटने से संगठन के नेटवर्क और मनोबल पर असर पड़ने की संभावना है। साथ ही दो महिला माओवादियों के आत्मसमर्पण को भी संगठन के कमजोर होते जनाधार का संकेत माना जा रहा है।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का उद्देश्य भटके हुए युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। जो भी माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, उन्हें सरकार की निर्धारित नीति के तहत आवश्यक सहायता एवं पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इस आत्मसमर्पण के बाद सुरक्षा एजेंसियों को उम्मीद है कि कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय अन्य माओवादी भी हिंसा का मार्ग छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में शामिल होने के लिए आगे आएंगे।

नवादा में करंट से मां-बेटी की मौत: बेटी को बचाने दौड़ी मां भी चपेट में आई

नवादा, (एजेंसी) : नवादा जिले के परनाडाबर थाना क्षेत्र के मांझी टोला में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में बिजली के करंट की चपेट में आने से मां और उसकी तीन वर्षीय बेटी की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय घर के मुखिया राजेश मांझी मजदूरी के लिए रजौंध गांव गए हुए थे। घर पर उनकी 24 वर्षीय पत्नी रानी कुमारी अपने बच्चों के साथ थीं। रानी कुमारी चूल्हे की लिपाई-पोताई कर रही थीं, तभी उनकी तीन वर्षीय बेटी दुलारी कुमारी खेलते-खेलते घर के एक कोने में लगे अर्थिंग तार के संपर्क में आ गई। बच्ची को करंट की चपेट में तड़पता देख रानी कुमारी उसे बचाने के लिए दौड़ीं, लेकिन उसे छूते ही वह भी करंट की चपेट में आ गईं। मां-बेटी की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय समाजसेवी मो. मोबिन आलम ने तत्काल ट्रांसफार्मर से बिजली की आपूर्ति बंद कराई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। करंट लगने से मां और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घर में बिस्तर पर सो रहा उनका एक वर्षीय बेटा सुरक्षित बच गया। घटना की सूचना मिलते ही परनाडाबर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष हरीकांत कुमार के निर्देश पर एसआई ब्यूटी कुमारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नवादा में नो-एंट्री तोड़ घुसे ट्रक ने ली बीएड छात्रा की जान, भाई गंभीर, लोगों ने किया सड़क जाम

नवादा,(एजेंसी) : नवादा शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और नो-एंट्री नियमों की अनदेखी एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। प्रतिबंधित मार्ग पर घुसे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। हादसे में 22 वर्षीय बीएड छात्रा अंकिता कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से आक्रोशित लोगों ने करीब एक घंटे तक सड़क जाम कर प्रशासन और ट्रैफिक व्यवस्था के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मृतका की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के केदुआ गांव निवासी संजीव कुमार की बड़ी पुत्री अंकिता कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए महाप्रबंधक ने विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से किया पुरस्कृत

पटना, (एजेंसी) : शुक्रवार को पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा, पटना में आयोजित समारोह में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने वर्ष 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया। समारोह का उद्घाटन महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह एवं अन्य उपस्थित गणमाण्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार व अन्य अधिकारियों द्वारा रेल सप्ताह समारोह पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव सहित मुख्यालय के उच्चाधिकारीण एवं पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित थे। समारोह के दौरान मुख्यालय एवं पांचों मंडलों के कल्चर टीम द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सराहा गया। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि आज के इस समारोह में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा वर्ष 2026 में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के लिये कुल 95 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु विभागों/मण्डलों के मध्य 56 दक्षता एवं सर्वांगीण दक्षता शील्ड भी प्रदान किया गया।

आज के समारोह के दौरान समग्र क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य दक्षता के लिए 2026 का महाप्रबंधक ओवर ऑल एफिशिएंसी शील्ड धनबाद मंडल को प्रदान किया गया जबकि महाप्रबंधक एफिशिएंसी रनर्स अप कप सोनपुर एवं डीडीयू मंडल को संयुक्त रूप से दिया गया। पूर्व मध्य रेल में सफाई अभियान के लिए बड़े स्टेशनों की श्रेणी में डीडीयू जं. को, मध्यम श्रेणी के स्टेशनों में नरकटियागंज स्टेशन को तथा छोटे स्टेशनों की श्रेणी में राजगीर स्टेशन को स्वच्छता शील्ड प्रदान किया गया । जनशिकायत निवारण में श्रेष्ठ प्रदर्शन से संबंधित रेल मदद शील्ड समस्तीपुर एवं सोनपुर मंडल को संयुक्त रूप से दिया गया। समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि आपके सामूहिक प्रयासों से पूर्व मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यात्री सुविधाओं, सुरक्षा, संरक्षा, आधारभूत संरचना के विकास तथा राजस्व वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के आधुनिकीकरण का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। कर्मचारी कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। नियुक्ति, पदोन्नति अनुकंपा नियुक्ति, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि इन सभी उपलब्धियों का श्रेय आप सभी कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और समर्पण तथा टीम भावना को जाता है। इस अवसर पर दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र, समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा एवं सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन सहित मुख्यालय एवं पांचों मंडलों से आए अधिकारिकण, महिला कल्याण संगठन की सदस्यायें, पूर्व मध्य रेल के मान्यता प्राप्त यूनियन के अधिकारी एवं सदस्य तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

बिहार भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ की कार्यसमिति की बैठक में संगठन विस्तार और जनसंपर्क पर जोर

व्यापार और उद्यमिता विकसित बिहार की मजबूत नींव- संजय सरावगी

पटना, (एजेंसी) : बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी शुक्रवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय के कैलाशपति मिश्र सभागार में आयोजित भाजपा बिहार वाणिज्य प्रकोष्ठ की कार्यसमिति बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कार्यसमिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए संगठन की भूमिका, व्यापारिक समुदाय की सहभागिता तथा विकसित बिहार के निर्माण में उद्यमियों के योगदान पर विस्तार से अपने विचार रखे। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि भाजपा का वाणिज्य प्रकोष्ठ व्यापार, उद्योग एवं उद्यमिता से जुड़े वर्गों के साथ सतत संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी मंच है। यह प्रकोष्ठ व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं युवा उद्यमियों की अपेक्षाओं, सुझावों और अनुभवों को जनहित एवं राष्ट्रहित के व्यापक उद्देश्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में व्यापार और उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है तथा बिहार में भी विकास की नई संभावनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित बिहार के निर्माण में व्यापारिक समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य की आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और निवेश को बढ़ावा देने में उद्यमियों का योगदान निर्णायक रहेगा। उन्होंने प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे व्यापारिक समाज के बीच जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी और व्यापार हितैषी नीतियों की जानकारी पहुंचाएं। बैठक में संगठन को और मजबूत बनाने, व्यापारिक वर्ग से व्यापक संवाद स्थापित करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत समिति बैठक में जनसमस्याओं पर चर्चा, अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

रेलवे के पूर्वी क्षेत्र में विद्युत उपकेंद्र स्थापना का मुद्दा प्रमुखता से उठा

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड सभागार में शुक्रवार को पंचायत समिति की विशेष बैठक प्रमुख चिंकी कुमारी की अध्यक्षता और बीडीओ गौरी कुमारी के संचालन में आयोजित की गई। बैठक विकास योजनाओं और प्रशासनिक जवाबदेही के मुद्दों पर केंद्रित रही। इसमें विभिन्न पंचायतों की जनसमस्याओं को लेकर सदस्यों ने जोरदार आवाज उठाई। बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ एक स्वर से कार्रवाई की मांग की गई। विशेष रूप से सीडीपीओ की बार-बार अनुपस्थिति पर सदन ने कड़ा असंतोष व्यक्त किया। बीडीओ ने कहा कि अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा तथा उनकी रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेजी जाएगी। बैठक की शुरूआत नए बीडीओ एवं सदन में उपस्थित पदेन सदस्यों के परिचय के साथ हुई। गत बैठक की समीक्षा के बाद सदन की कार्यवाही आगे बढ़ी। बैठक में पंचायत समिति सदस्य संतोष कुमार सुमन ने टनकुप्पा प्रखंड के रेलवे लाइन के पूर्वी क्षेत्र में विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। प्रखंड मुख्यालय की बंद कैंटीन को पुनः चालू कराने और स्वतंत्रता दिवस से पूर्व चिल्ड्रेन पार्क में उग आई झाड़ियों की सफाई की मांग रखी। प्रखंड परिसर में बंद कैंटीन को पुनः चालू करने की मांग पर बीडीओ ने जीविका को 15 अगस्त से पहले कैंटीन शुरू कराने का निर्देश दिया। चिल्ड्रेन पार्क की सफाई और सौंदर्यीकरण का भी आश्वासन दिया गया। उतली बारा पंचायत की मुखिया कंचन देवी ने राशन कार्ड, पेयजल संकट और भूमि विवाद के मामलों के शीघ्र समाधान की मांग रखी। बैठक में पंचायत समिति सदस्य चंद्रदेव साव ने बहसापीपरा पंचायत के बुद्धगिंजोई गांव में नल-जल योजना की खराब स्थिति तथा वर्मा और पहड़ी गांव में प्राथमिक विद्यालय खोलने की मांग की। बैठक के अंत में बीडीओ ने कहा कि अब प्रखंड स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें पंचायतवार समस्याओं और उनके समाधान की नियमित समीक्षा की जाएगी।बैठक में उपप्रमुख मुन्नी देवी, एमओ अजीत कुमार सिंह, पीओ नीरज कुमार, बीपीआरओ, बीईओ, बीएओ, जिला पार्षद, विभिन्न पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया ने लौटाई मां की पहचान, सड़क किनारे बेहोश मिली महिला अपनों तक पहुंची

सामाजिक पहल से खुला पहचान का रहस्य, बेहतर इलाज के लिए गया रेफर

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : गया- रजौली मुख्य एसएच-70 मुख्य सड़क पर स्थित राघोपुर गांव के पास शुक्रवार को सुबह में एक अधेड़ महिला बेहोशी की हालत में मिली। स्थानीय ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए सड़क से उठाकर तत्काल उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया।

इधर, महिला की पहचान नहीं होने पर युवा संगठन प्रमुख समर राठौर ने सोशल मीडिया के माध्यम से महिला की तस्वीर साझा कर लोगों से पहचान कर इसकी जानकारी देने की अपील की। कुछ ही घंटों में प्रयास सफल हुआ और महिला की पहचान टनकुप्पा प्रखंड के बरसुआ गांव निवासी नगिया देवी के रूप में हो गई। महिला के पुत्र गोरे ने बताया कि उनकी मां गुरुवार शाम को घर से निकली थी। देर रात तक परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच शुक्रवार को सुबह में सोशल मीडिया पर तस्वीर देखकर परिवार को सूचना मिली और पहचान संभव हो सकी। बताया गया है कि फिलहाल नगिया देवी का इलाज जारी है। हालांकि वह अपने घर से लगभग आठ किलोमीटर दूर राघोपुर तक कैसे पहुंचीं और सड़क किनारे बेहोश अवस्था में कैसे मिलीं, यह अब भी रहस्य बना हुआ है। खबर लिखे जाने तक परिजन गया पहुंचने की प्रक्रिया में थे।

फतेहपुर से हर-हर महादेव के जयघोष के नारे के साथ देवघर रवाना हुए युवा कांवरियां की टीम

डुमरीचट्टी बाजार से विश्व कल्याण का संकल्प लेकर निकला नवयुवक कांवरिया संघ

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : सावन माह की पावन बेला में फतेहपुर प्रखंड के डुमरीचट्टी बाजार से शुक्रवार को नवयुवक कांवरिया संघ के आठ सदस्यीय दल ने देवघर धाम के लिए प्रस्थान किया। यात्रा शुरू होने से पहले शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली का संकल्प लिया। कांवरिये सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर में जलाभिषेक करेंगे। प्रस्थान के दौरान बाजार क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। संघ के सदस्यों में मनीष कुमार, प्रवेश कुमार, राहुल कुमार, विवेकानंद चौधरी, उपेंद्र कुमार, अनुज कुमार और कुणाल गोस्वामी सहित अन्य शिवभक्त शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने सभी कांवरियों की मंगलमय यात्रा की कामना की।

सात घंटे की जंग जीतकर मुस्कुराता दिखा पीयूष, स्वस्थ होकर घर लौटा

सांसद प्रतिनिधि की पहल पर मगध मेडिकल कॉलेज में दोबारा हुआ समुचित उपचार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड की कठौतिया केवाल पंचायत के रंगूनगर निवासी चार वर्षीय पीयूष कुमार शुक्रवार को स्वस्थ होकर मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से अपने घर लौट आया। 16 जुलाई की शाम गहरे बोरवेल में गिरने के बाद सात घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान में सुरक्षित बाहर निकाले गए पीयूष के दाहिने पैर में फ्रैक्चर और गंभीर जख्म हो गया था।परिजनों ने बताया कि प्रारंभिक उपचार के दौरान केवल अस्थायी प्लास्टर कर बच्चे को घर भेज दिया गया था। चार दिन पहले गया सांसद प्रतिनिधि ई. नंदलाल मांझी जब पीयूष से मिलने पहुंचे तो उसकी स्थिति संतोषजनक नहीं थी। इसके बाद उन्होंने तत्काल एंबुलेंस से बच्चे को मगध मेडिकल कॉलेज भेजवाया, जहां चिकित्सकों ने दोबारा जांच कर घाव की सफाई की, उचित उपचार किया और पैर में नया प्लास्टर चढ़ाया। इलाज के बाद स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार होने पर शुक्रवार को पीयूष को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

घर लौटते ही परिजनों ने केंद्रीय मंत्री एवं गया सांसद जीतन राम मांझी, जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, सिविल सर्जन, चिकित्सकों और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

अधिकारियों व कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए महाप्रबंधक ने विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से नवाजा

हाजीपुर(एजेंसी) : पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा, पटना में गुरुवार को आयोजित समारोह में महाप्रबंधक ने वर्ष 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से पुरस्कृत किया । समारोह का उद्घाटन महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह एवं अन्य उपस्थित गणमान्य के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार व अन्य अधिकारियों द्वारा रेल सप्ताह समारोह पुस्तिका का विमोचन किया गया । इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव सहित मुख्यालय के उच्चाधिकारीण एवं पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित थे। समारोह के दौरान मुख्यालय एवं पांचों मंडलों के कल्चर टीम द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सराहा गया । आज के इस समारोह में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा वर्ष 2026 में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के लिये कुल 95 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु विभागों/मण्डलों के मध्य 56 दक्षता एवं सर्वांगीण दक्षता शील्ड भी प्रदान किया गया । समारोह के दौरान समग्र क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य दक्षता के लिए 2026 का महाप्रबंधक ओवर ऑल एफिशिएंसी शील्ड धनबाद मंडल को प्रदान किया गया, जबकि महाप्रबंधक एफिशिएंसी रनर्स अप कप सोनपुर एवं डीडीयू मंडल को संयुक्त रूप से दिया गया । पूर्व मध्य रेल में सफाई अभियान के लिए बड़े स्टेशनों की श्रेणी में डीडीयू जंक्शन को मध्यम श्रेणी के स्टेशनों में नरकटियागंज स्टेशन को तथा छोटे स्टेशनों की श्रेणी में राजगीर स्टेशन को स्वच्छता शील्ड प्रदान किया गया । जनशिकायत निवारण में श्रेष्ठ प्रदर्शन से संबंधित रेल मदद शील्ड समस्तीपुर एवं सोनपुर मंडल को संयुक्त रूप से दिया गया । समारोह के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि आपके सामूहिक प्रयासों से पूर्व मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यात्री सुविधाओं, सुरक्षा, संरक्षा, आधारभूत संरचना के विकास तथा राजस्व वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के आधुनिकीकरण का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। कर्मचारी कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। नियुक्ति, पदोन्नति अनुकंपा नियुक्ति, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। महाप्रबंधक ने कहा कि इन सभी उपलब्धियों का श्रेय आप सभी कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और समर्पण तथा टीम भावना को जाता है ।इस अवसर पर दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र, समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा एवं सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित शरण सहित मुख्यालय एवं पांचों मंडलों से आए अधिकारीकण, महिला कल्याण संगठन की सदस्यायें, पूर्व मध्य रेल के मान्यता प्राप्त यूनियन के अधिकारी एवं सदस्य तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे ।

संपादकीय

जेन-जी और जेन-अल्फा ने बढ़ाई संघ और भाजपा की चिंता

देश की राजनीति में पिछले कुछ सप्ताह के घटनाक्रम ने यह संकेत दिया है। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल विपक्ष नहीं, बल्कि देश का युवा वर्ग भी बनता जा रहा है। जेन-जी और जेन-अल्फा ऐसे दौर में खड़े हैं, जहां उनकी प्राथमिकताएं धर्म, जाति और भावनात्मक मुद्दों से अधिक शिक्षा, रोजगार, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और भविष्य की चिंता है। यही कारण है, छात्र आंदोलनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। छात्र आंदोलन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत का स्वयं सामने आना राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है, यदि समय रहते युवा वर्ग की नाराजगी दूर नहीं की गई तो आने वाले वर्षों में भारी नुकसान हो सकता है। भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत, धार्मिक ध्रुवीकरण थी, वह अपना प्रभाव खो सकती है। हर घर में पढ़ने वाला छात्र है, हर परिवार में रोजगार की चिंता है। प्रत्येक परिवार को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। यही चिंता अब सड़कों पर दिखाई देने लगी है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहे जाने की कथित टिप्पणी के बाद जो विवाद खड़ा हुआ है, उसने छात्र असंतोष को अधिक उग्र बना दिया है। अभिजीत दीपके द्वारा गठित कॉकरोच जनता पार्टी और उसके आंदोलनों ने राजनीतिक परिस्थितियों को नई दिशा दे दी है। माना जा रहा है, प्रारंभ में इस आंदोलन को नियंत्रित दायरे में रखने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी, वह पूरी तरह से विफल हो गई है। घटनाक्रम पूरी तरह से जो सोचा गया था, वह उलटा पड़ गया है। पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, भ्रष्टाचार और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन 20 जुलाई के संसद चलो अभियान के बाद राष्ट्रीय मुद्दा बन गया। प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस, पेलट गन और पुलिस की कथित बर्बरतापूर्ण कार्रवाई ने आंदोलन को पेपर लीक मुद्दे और शिक्षा के मुद्दे तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे केंद्र सरकार के खिलाफ व्यापक असंतोष में बदल दिया है। देशभर में लगभग 200 स्थानों पर हुए प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया है। युवा अब केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। संगठित होकर वह अपनी बात मनवाने के लिए सड़कों पर आने की क्षमता भी रखता है। इस दौरान भाजपा और संघ से जुड़े कई नेताओं के बयानों ने आंदोलन की आग में घी डालने का काम किया है। आंदोलन की आग को और भड़का दिया है। आंदोलनकारियों को राष्ट्रविरोधी, गैर-जिम्मेदार अथवा अन्य आपत्तिजनक विशेषणों से सत्ता पक्ष के द्वारा संबोधित करने के प्रयासों ने युवाओं की नाराजगी कम करने के बजाय उसे और बढ़ा दिया है।

विफलता परिश्रम छोड़ देने का नतीजा है।
: एफ. जी. जॉयनर

गुस्से से ज्ञान का प्रकाश बुझ जाता है।
: आर. जी. इंगरसोल

तरुण तेजपाल प्रकरण में विधाता का अचूक न्याय दंड

मनुष्य अपने कृत्य, बुद्धि, सत्ता और धन के मद में अंधा होकर भले ही यह मान बैठे कि वह लौकिक व्यवस्थाओं को अपने अनुकूल मोड़ सकता है, परंतु ब्रह्मांडीय न्याय का विधान अत्यंत सूक्ष्म और अकाट्य है। यह परम सत्य है कि समय कभी किसी का ऋण शेष नहीं रखता, वह ब्याज सहित कर्मों का हिसाब चुकता करता है। आधुनिक विधिक प्रणालियों के दांव-पेंच और तकनीकी विसंगतियों के परदे के पीछे चाहे जितने प्रपंच रचे जाएं, अंततः ऋत (सृष्टि का अटल नियम) अपना मार्ग खोज ही लेता है। हाल ही में 6 अगस्त 2026 को बॉम्बे उच्च न्यायालय की गोवा पीठ के जस्टिस डॉ. नीला गोखले एवं अमित जमसंदेकर द्वारा तहलका पत्रिका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाकर ट्रायल कोर्ट के संदेहास्पद फैसले को पलटना, इसी शाश्वत कर्मफल सिद्धांत का आधुनिक विधिक साक्ष्य है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2000 के दिसंबर से जनवरी 2001 के मध्य तरुण तेजपाल ने अपनी पत्रिका तहलका के माध्यम से भारतीय राजनीति के एक बेहद संवेदनशील और रक्षा सौदों से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन को अंजाम दिया था। इस कृत्य के ठीक 13 वर्ष बाद नवंबर 2013 को वह स्वयं एक ऐसी विभीषिका के केंद्र में आया, जहां उसने अपनी कनिष्ठ सहयोगी के साथ गोवा के एक पांच सितारा होटल की लिफ्ट में जघन्य कृत्य किया। 2013 में दर्ज हुए इस मुकदमे की कछुआ चाल, ट्रायल कोर्ट की अनगिनत विसंगतियों और व्यवस्था के संरक्षण के बावजूद, ठीक 13 वर्ष बाद 6 अगस्त 2026 को उच्च न्यायालय ने उसे दोषी करार देते हुए जेल की सलाखों के पीछे भेजने का मार्ग प्रशस्त कर दिया।

सनातन ग्रंथों में कर्म की गति को गहन और अपरिवर्तनीय माना गया है-

कर्मणो ह्यपि बोद्धव्यं बोद्धव्यं च विकर्मणः।
अकर्मणश्च बोद्धव्यं गहना कर्मणो गतिः।।
-श्रीमद्भगवद्गीता 4/17

अर्थात- कर्म की गति अत्यंत गहन और रहस्यमयी है। जो व्यक्ति दूसरों के चरित्र हनन और राजनीतिक जीवन को मटियामेट करने के लिए षड्यंत्रों का जाल बुनता है, समय का चक्र उसे उसी के बुने जाल में इस प्रकार जकड़ देता है कि विधिक रसूख भी उसे बचा नहीं पाते।

इस प्रकरण का सबसे चिंताजनक और विचारणीय पहलू वर्ष 2021 में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश क्षमा जोशी की अदालत का आचरण रहा है। त्वरित न्याय का स्वांग रचने वाली हमारी न्याय प्रणाली में जहां देश की सर्वोच्च अदालत का स्पष्ट निर्देश था कि ऐसे यौन उत्पीड़न के संवेदनशील मामलों की सुनवाई 8 सप्ताह में पूर्ण होनी चाहिए, वहीं यह मुकदमा 8 वर्षों तक घिसटता रहा। इसके पश्चात, अप्रैल से मई 2021 के मध्य ट्रायल कोर्ट द्वारा फैसले की तिथियों को बार-बार बदलना किसी बड़े विधिक प्रपंच की ओर स्पष्ट संकेत कर रहा था, जिसकी सुगबुगाहट प्रबुद्ध विश्लेषकों ने पहले ही ताड़ ली थी।

मुकदमे की अंतिम बहस 8 मार्च 2021 को ही पूर्ण हो चुकी थी, जिसके बाद निर्णय की तिथि 27 अप्रैल तय की गई। परंतु बिना किसी ठोस विधिक कारण के इसे बढ़ाकर 12 मई कर दिया गया। 12 मई को पुनः स्टाफ की कमी और कोविड का हवाला देकर तारीख 19 मई की गई। 19 मई 2021 को अदालत ने जो कारण दिया, वह भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक अजीबोगरीब मिसाल बन गया- अदालत परिसर में बिजली की समस्या का बहाना बनाकर फैसले को 21 मई के लिए टाल दिया गया। अंततः 21 मई 2021 को जज महोदया ने 527 पन्नों का वह विवादास्पद निर्णय सुनाया जिसने तरुण तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया। निर्णय सुरक्षित होने के बाद इस प्रकार तिथियों का बार-बार स्थगन होना विधिक शुचिता और पारदर्शिता पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े करता है, जो परदे के पीछे होने वाली संभावित साठगांठ या सौदेबाजी की ओर जनमानस का ध्यान आकर्षित करता है।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम के डिजिटल साक्ष्य संबंधी प्रावधानों, विशेषकर धारा 65इ के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक संदेशों को अत्यंत सुदृढ़ और प्राथमिक साक्ष्य की श्रेणी में रखा गया है। इस मामले में तरुण तेजपाल ने घटना के ठीक अगले दिन 19 नवंबर 2013 को पीड़िता तथा संस्थान की तत्कालीन प्रबंध संपादक को एक विस्तृत ईमेल भेजकर अपने कृत्य के लिए बिना शर्त माफी मांगी थी, जिसे विधिक भाषा में एक्स्ट्राजुडिशियल कन्फेशन कहा जाता है। एक प्रखर, शब्दों के जादूगर और कानून की समझ रखने वाले वरिष्ठ संपादक द्वारा लिखित रूप में अपनी गलती स्वीकार करना अपने आप में केस को समाप्त करने के लिए पर्याप्त था। परंतु ट्रायल कोर्ट ने इस अकाट्य सबूत को यह कहकर कूड़ेदान में डाल दिया कि यह ईमेल संस्थान की साख बचाने के लिए किसी दबाव में लिखा गया हो सकता है। उच्च न्यायालय ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया कि न्याय की आंखें इतनी अंधी नहीं हो सकतीं कि वे आरोपी के अपने हाथों से लिखे कबूलनामे को ही नकार दें। उच्च न्यायालय के शब्दों में, ट्रायल कोर्ट का यह दृष्टिकोण पूरी तरह से विकृत और साक्ष्यों के विपरीत था। निचली अदालत के 2021 के फैसले ने बलात्कार और यौन उत्पीड़न के मामलों में देश के न्यायशास्त्र को दशकों पीछे धकेल दिया था। जज क्षमा जोशी ने अपने निर्णय में आरोपी के कृत्य की विवेचना करने के बजाय पीड़िता के आचरण का ही ट्रायल शुरू कर दिया था। फैसले में लिखा गया कि घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज में पीड़िता हंसती-मुस्कुराती और सामान्य दिख रही थी, इसलिए उसके साथ कोई जबरदस्ती नहीं हुई होगी। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इस पुरातनपंथी और रूढ़िवादी धारणा पर अत्यंत कड़ा प्रहार किया है। माननीय न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि आघात से गुजरने के बाद प्रत्येक महिला का व्यवहार एक जैसा नहीं होता। कोई अवसाद में चली जाती है, तो कोई समाज के डर से खुद को सामान्य दिखाने का प्रयास करती है। सीसीटीवी फुटेज किसी व्यक्ति के चेहरे की ऊपरी मुस्कान तो दिखा सकता है, परंतु उसके भीतर चल रहे मानसिक द्वंद्व और आत्मसम्मान के छिन्न-भिन्न होने की वेदना को नहीं माप सकता। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्य सरकार का पक्ष रखते हुए कोर्ट में जो बात कही, उसे उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में सर्वोपरि माना, जब कोई महिला या कनिष्ठ सहयोगी ना कहती है, तो उसका अर्थ केवल ना ही होता है, चाहे उसका सामाजिक परिवेश या पूर्व आचरण कितना ही आधुनिक क्यों न हो।

उच्च न्यायालय द्वारा तरुण तेजपाल को आई पी सी की धारा 376(2)(I) और 376(2)(') (पदों या रसूख का दुरुपयोग कर किया गया बलात्कार) के तहत दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 10.21 लाख रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाए जाने के बाद भी विधिक प्रणालियों का एक और विरोधाभास हमारे सामने आता है। अदालत ने तेजपाल को उच्चतर अदालत, सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर करने और आत्मसमर्पण करने के लिए चार सप्ताह का समय दे दिया है। भारतीय कानून के तहत, यदि किसी आरोपी को सीधे उच्च न्यायालय द्वारा दोषमुक्त से दोषी में परिवर्तित किया जाता है, तो देश की शीर्ष अदालत अपील को विचारार्थ स्वीकार करते हुए आमतौर पर उसकी सजा के निष्पादन पर तब तक के लिए रोक लगा देती है, जब तक कि अपील पर अंतिम निर्णय न हो जाए। चूंकि तेजपाल पिछले 13 वर्षों से जमानत पर बाहर है, इसलिए बहुत अधिक संभावना है कि वह जेल जाने से बच जाएगा और जमानत पर ही बाहर रहेगा। यह स्थिति आम नागरिक के मन में एक गहरी टीस पैदा करती है। जहां देश के आम और गरीब विचाराधीन कैदी छोटे-छोटे अपराधों में वर्षों जेलों में सड़ जाते हैं, वहीं रसूखदार अपराधी जघन्य अपराधों में सजायाफ्ता होने के बाद भी दशकों तक अपीलों के सहारे खुले आसमान के नीचे आलीशान जीवन व्यतीत करते हैं। कड़वा और अत्यंत संवेदनशील सत्य है कि एक ओर जहां वयस्क महिलाओं के मामलों में रसूखदार अपराधी लंबी कानूनी लड़ाइयों का लाभ उठाते हैं, वहीं दूसरी ओर देश में ऐसी भी घटनाएं देखने को मिलती हैं जहां 4-5 वर्ष की अबोध बच्चियों के साथ होने वाले पाशविक दुष्कर्म के मामलों में भी हमारी न्याय प्रणाली कई बार तकनीकी खामियों या गवाहों के अभाव में नरम या ढुलमुल रुख अपना लेती है। यद्यपि संसद ने पोक्सो कानून और आपराधिक कानून संशोधन के माध्यम से बच्चों के बलात्कारियों के लिए मृत्युदंड तक के कठोरतम विधिक प्रावधान किए हैं, परंतु धरातल पर जांच एजेंसियों की शिथिलता, साक्ष्यों का संकलन ठीक से न होना और निचली अदालतों में मुकदमों का वर्षों तक लटकना इन कड़े कानूनों के प्रभाव को शून्य कर देता है। न्यायपालिका का अपराधियों के प्रति अत्यधिक प्रक्रियात्मक उदारता दिखाना कई बार समाज में प्रतिशोध और अविश्वास की भावना को जन्म देता है। अंतिम सत्य है कि मनुष्य भले ही कुछ समय के लिए न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी और कानून की फाइलों के पीछे छिप जाए, परंतु इतिहास के पन्नों पर उसके कर्मों की स्याही कभी नहीं सूखती। तरुण तेजपाल, जिसने कभी तहलका के मंच से नैतिकता, शुचिता और ईमानदारी के बड़े-बड़े उपदेश दिए थे और बंगारू लक्ष्मण जैसे नेताओं के राजनीतिक जीवन पर कलंक का स्टिंग किया था, आज स्वयं इतिहास के चौराहे पर एक बड़े कलंक के साथ खड़ा है।

2026 का यह उच्च न्यायालय का निर्णय भले ही सुप्रीम कोर्ट की अपीलों और विधिक स्थगनों के चक्रव्यूह में कुछ समय के लिए उलझ जाए, परंतु इसने समाज के सामने यह सच पूरी तरह उजागर कर दिया है कि सत्ता और पद का मद कभी भी स्थायी सुरक्षा कवच नहीं बन सकता। विधाता की लाठी बेआवाज होती है, पर उसका प्रहार अचूक और अंतिम होता है। देर से ही सही, कर्मों का हिसाब हर किसी को यहीं इसी धरती पर पूरा करना पड़ता है, यही सनातन सत्य है और यही इस कालचक्र का अंतिम संदेश भी है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7597

★★★✬✩ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7596 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

दैनिक पंचांग

8 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.16 बजे से
चंद्र	वृष में	कन्या	08.28 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.39 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.54 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.10 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.15 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.05 बजे से
		वृष	23.45 बजे से
		मिथुन	01.43 बजे से
		कर्क	03.56 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 220 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 14.00 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 16.51 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 09.02 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 14.00 बजे तदनन्तर बव 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 16° 11' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872795 **जूलियन दिन** 2461260.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 24 **विशेष** रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं। दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संस्कारों से खाली होती नई पीढ़ी का सबसे दर्दनाक सच

समाज की संवेदनहीनता अब कोई छिपी हुई बीमारी नहीं, बल्कि खुले घाव की तरह फैल रही है। जब कोई पिता, जिसने अपनी जवानी के सपने कुचलकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया, बुढ़ापे में सोनीपत के वृद्धाश्रम की चारदीवारी में अंतिम सांस लेता है और उसकी संतानें अंतिम संस्कार में शरीर से नहीं, केवल पैसों या स्क्रीन से जुड़ती हैं, तब यह घटना एक परिवार की नहीं, पूरे युग की कहानी बन जाती है। शिवचरण गुप्ता जैसे पिता की चिता के सामने खड़े समाजसेवियों के कंधे बताते हैं कि रिश्ते अब खून से नहीं, सुविधा से तय होते हैं। तकनीक ने हाथों को जोड़ दिया, लेकिन हृदय को अलग कर दिया। यह विडंबना नहीं, एक चेतावनी है कि हम इंसानियत की परिभाषा ही बदल रहे हैं।

एक समय था जब पिता की अंतिम यात्रा में बेटियों का कंधा देना सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। आज वही धर्म वीडियो कॉल और पाँच हजार एक सौ रुपये में सिमट गया है। तीनों आत्मनिर्भर और सफल बेटियाँ—एक नेपाल, एक मुंबई, एक आजमगढ़ में—बाप की मृत्यु की खबर सुनकर भी शरीर से नहीं पहुँचीं। एक ने पैसा भेजा, दूसरी ने स्क्रीन पर चिता देखी, तीसरी ने शायद यह भी जरूरी नहीं समझा। उल्लेखनीय है कि बीमारी की सूचना लगभग 20 दिन पहले दे दी गई थी, फिर भी कोई बेटी नहीं पहुँची। क्या शिक्षा ने उन्हें केवल डिग्री दी और संवेदना छीन ली? पिता ने करोड़ों का कारोबार खोकर भी बेटियों को पढ़ा-लिखाया, पर बेटियों ने अंतिम क्षण में उपस्थिति का कर्ज नहीं चुकाया। यह लेन-देन नहीं, भावनात्मक दिवालियापन है।

वृद्धाश्रम अब अनाथों के नहीं, उन माता-पिता के घर बन गए हैं जिनके बच्चे सफल हैं। शिवचरण गुप्ता ने मुंबई में कपड़े का साम्राज्य खड़ा किया था, फिर सब कुछ खोया, पत्नी भी चली गईं, फिर भी बेटियों को आत्मनिर्भर बनाया। करीब डेढ़-दो साल पहले पत्नी के साथ वृद्धाश्रम पहुँचे। पत्नी मीना गुप्ता का निधन भी आश्रम में हुआ था और तब भी बेटियाँ नहीं आई थीं। दोनों बार आश्रम प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने संस्कार किए। अब पिता की चिता पर भी वही दृश्य। समाज ने कंधा दिया, आँखें दान हुईं, दो दृष्टिहीनों को रोशनी मिली। पर जिन आँखों ने बेटियों को सपने दिखाए, उन आँखों को अंतिम विदाई में देखने वाली संतानें दूर रहीं। आँखों का दान रोशनी देता है, पर संतानों की अनुपस्थिति अंधेरा फैलाती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ ने रिश्तों को समयसारिणी में कैद कर दिया है। करियर, शहर, विदेश—सब जरूरी लगते हैं, पर माता-पिता का अंतिम संस्कार फालतू। तकनीक हमें दुनिया से जोड़ती है, पर घर के आँगन से काट देती है। तीनों आत्मनिर्भर बेटियों में दो बेटियाँ शिक्षिका हैं, समाज को नैतिकता सिखाती होंगी, पर खुद के पिता की चिता के पास खड़े होने का समय नहीं निकाल सकीं। क्या यह शिक्षा की असफलता नहीं? डिग्रियाँ बढ़ीं, संस्कार सिकुड़े। बैंक बैलेंस भरा, हृदय खाली। पिता ने भूख छिपाकर पेट भरा, थकान छिपाकर नींव रखी, पर अंतिम यात्रा में अकेला छोड़ दिया गया।

यह घटना हमें आईना दिखाती है कि हम संबंधों को भावुकता से नहीं, बल्कि सौदेबाजी से तौलने लगे हैं। धन भेजना सरल है, उपस्थिति कठिन। वीडियो कॉल से अंतिम संस्कार देखना संभव है, कंधा देना असंभव। पर अंतिम संस्कार मात्र एक क्रिया नहीं, जीवनभर के ऋण का सत्कार है। जिसे ऑनलाइन भुगतान से नहीं चुकाया जा सकता। शिवचरण गुप्ता की आँखें दो अजनबियों को प्रकाश दे गईं, पर अपनी संतानों को भावनात्मक अंधकार दे गईं। समाजसेवी कंधे दे रहे थे, बेटियाँ स्क्रीन पर थीं। वीडियो कॉल के दौरान एक बेटी की यह टिप्पणी भी सामने आई—ह्यकितना समय लगेगा?ह्न यह एक वाक्य ही रिश्तों की ठंडक और संवेदनहीनता को पूरी तरह उजागर कर देता है। यह दृश्य आँसू नहीं, आत्मा को हिला देता है।

समय का पहिया न्यायसंगत है। जो व्यवहार हम माता-पिता के साथ करते हैं, वही हमारे बच्चों के सामने एक दिन लौटता है। आज की उपेक्षा निश्चित रूप से कल की विरासत बनेगी। वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ना केवल गरीबी नहीं, बल्कि भावनात्मक दरिद्रता का सबूत है। सफल बच्चे, अकेला बाप—यह नई सामान्य स्थिति बन रही है आजकल। भारतीय संस्कृति में माता-पिता देवतुल्य हैं, पर देवता को भी अंतिम क्षण में अकेला छोड़ दिया जाए तो संस्कृति का क्या अर्थ रह जाता है? पैसे से कर्ज नहीं चुकाया जाता, उपस्थिति से ही चुकाया जाता है।

हमें सचमुच और गहराई से खुद से पूछना होगा—क्या हम भी कहीं केवल आर्थिक सहायता देकर इतिश्री मान बैठे हैं? क्या कभी बिना किसी स्वार्थ के उनके साथ बैठे और बातें कीं? उनका गहरा और दर्द भरा अकेलापन समझा? धन, पद, प्रतिष्ठा तो यहीं रह जाते हैं। याद रहती है केवल वह सच्ची गर्माहट। जिस दिन चिता के सामने संतान की जगह मोबाइल की स्क्रीन दिखे, समझ लेना चाहिए कि तकनीक पूरी तरह जीत गई, और इंसान बुरी तरह हार गया। शिवचरण गुप्ता की कहानी केवल एक समाचार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी और जरूरी चेतावनी है।

विकास की चमक संवेदना की लौ को ढक रही है। यदि समय रहते नहीं संभाला तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें आधुनिक कहेंगी, मानवीय नहीं। माता-पिता को जीवनभर पैसे की नहीं, उपस्थिति की जरूरत होती है। अंतिम यात्रा में दो कदम साथ चलना उपकार नहीं, उस ऋण का छोटा प्रतिदान है जिसे कोई संतान जीवनभर नहीं चुका सकती। आँखें दान करके रोशनी दी जा सकती है, पर हृदय की रोशनी केवल प्रेम और उपस्थिति से जलती है। समाज यदि इसी राह पर चला तो संवेदनहीनता उसकी नई पहचान बन जाएगी।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान के सुराब जिला में कर्फ्यू, उल्लंघन करने पर गोली मारने का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान के सुराब जिले में सुरक्षा कारणों की दुहाई देते हुए अचानक छह अगस्त की शाम छह बजे से कर्फ्यू लगा दिया गया। यह आठ अगस्त की सुबह 8:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। कर्फ्यू की घोषणा होते ही लोगों ने दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के शटर गिरा दिए। इस बीच बलोच स्टूडेंट्स एक्शन कमेटी ने आरोप लगाया है कि कराची यूनिवर्सिटी के पांच बलोच छात्रों को पाकिस्तान के रेंजर्स कराची के गुलशन इकबाल इलाके से जबदस्ती अपने साथ ले गए हैं। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य मुख्यालय क्वेटा पहुंची खबरों में शुक्रवार सुबह बताया गया कि सुराब जिला प्रशासन ने नागरिकों को बेवजह घरों से बाहर न निकलने के लिए चेतावनी जारी करके कहा है कि कर्फ्यू तोड़ने वालों को गोली मारी सकती है। ऐसे लोग किसी भी संभावित नुकसान के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। सुराब बलोचिस्तान के मध्य भाग में क्वेटा-कराची राष्ट्रीय राजमार्ग पर पड़ता है। इससे पहले बलोचिस्तान के कलात, मस्तुंग में भी कर्फ्यू लगाया गया था। जहरी और नुश्की में पिछले कई महीनों से कर्फ्यू लगा हुआ है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि बलोचिस्तान में आजादी की मांग कर रहे बलोच समूहों का उत्पीड़न किया जा रहा है। बलोच स्टूडेंट्स एक्शन कमेटी के प्रवक्ता ने कहा है कि प्रांतीय सरकार के साथ संघीय सरकार भी नागरिकों के साथ छात्र-छात्राओं पर अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि कराची के गुलशन इकबाल इलाके में रह रहे पांच बलोच युवाओं को पाकिस्तान के रेंजरों ने अगवा कर लिया है। बलोच स्टूडेंट्स एक्शन कमेटी ने कहा कि यह सभी कराची यूनिवर्सिटी के छात्र हैं। इनमें हयात के दो बेटे अजहर और घोस बख्श, शाहिद का बेटा शहजाद, अजीम का बेटा अनीस व मोहम्मद अमीन का बेटा वसीम बलूच शामिल है। इन सबको बुधवार रात करीब दो बजे कराची के गुलशन-ए-इकबाल इलाके में एक फ्लैट पर छापा मारकर दबोचा गया। फिर मारपीट की गई। सभी को धक्का मारते हुए सामान के साथ ले जाया गया। पांचों इस फ्लैट में किराये पर रहते थे।

पंचेश्वर परियोजना पर सितंबर में भारत-नेपाल के बीच अहम बैठक, चार साल बाद फिर शुरू होगी जल संसाधनों पर बातचीत

काठमांडू। भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से लंबित पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना और महाकाली संधि से जुड़े अन्य मुद्दों पर सितंबर के पहले सप्ताह में द्विपक्षीय जल संसाधन बैठक होगी। चार साल के अंतराल के बाद होने वाली यह बैठक दोनों देशों के बीच जल संसाधन सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक में भारत-नेपाल संयुक्त जल संसाधन समिति और जल संसाधन संबंधी संयुक्त स्थायी तकनीकी समिति की बैठकें भी होंगी। इसमें टनकपुर बैराज से नेपाल सीमा तक प्रस्तावित लिंक नहर सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक के एजेंडे में टनकपुर-महेन्द्रनगर लिंक रोड, दोधारा-चांदनी क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति, सप्तकोशी हाई डैम बहुउद्देश्यीय परियोजना तथा सुनकोशी-कमला स्टोरेज-कम-डाइवर्जन योजना भी शामिल हैं। इसके अलावा दोनों देश कोशी और गंडक परियोजनाओं पर संयुक्त समिति तथा जलभराव और बाढ़ प्रबंधन संबंधी संयुक्त समिति की प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। ऊर्जा मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुशील चन्द्र आचार्य ने पुष्टि की है कि सितंबर में होने वाली बैठकों के एजेंडे में पंचेश्वर परियोजना को शामिल किया गया है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के मुताबिक जून में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल की भारत यात्रा के दौरान भारत ने लंबित मतभेदों को सुलझाने और महाकाली संधि के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई थी। इसके बाद यह बैठक आयोजित की जा रही है। एक वरिष्ठ नेपाली सरकारी अधिकारी के अनुसार दोनों पक्ष व्यापक जल संसाधन सहयोग और पंचेश्वर परियोजना से जुड़े मुद्दों पर अपने-अपने प्रस्तावित एजेंडे का आदान-प्रदान कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल एजेंडे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सितंबर की बैठक को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि करीब चार साल बाद दोनों देशों के बीच जल संसाधनों पर औपचारिक उच्चस्तरीय बातचीत फिर से शुरू होगी और इससे लंबे समय से अटकी पंचेश्वर परियोजना को आगे बढ़ाने की उम्मीद जगी है।

भारत ने चीन से तिब्बत में नदियों पर बांध परियोजनाओं का विवरण देने की मांग दोहरायी

नई दिल्ली। भारत ने चीन से फिर आग्रह किया है कि वह सीमापार नदियों के ऊपरी प्रवाह में तिब्बत में निर्माणाधीन परियोजनाओं के तकनीकी विवरण साझा करे और इसके लिए नदियों पर विशेषज्ञ स्तर के तंत्र की बैठक जल्द से जल्द आयोजित करे। भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की गुरुवार को यहां हुई 36वीं बैठक में भारत ने यह मांग उठायी। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में पूर्वी एशिया मामलों के संयुक्त सचिव सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के सीमा एवं महासागरीय मामलों के विभाग की महानिदेशक होउ यानछी ने किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों पक्षों के बीच स्पष्ट और खुलकर चर्चा हुई तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही, इस बात पर बल दिया गया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की कि वे डब्ल्यूएमसीसी, स्थानीय कमांडर-स्तरीय बैठकों और अन्य सहमत तंत्रों सहित मौजूदा राजनयिक और सैन्य माध्यमों का उपयोग जारी रखेंगे, ताकि लंबित मुद्दों का समाधान किया जा सके और एलएसी के निकट किसी भी गलतफहमी तथा गलत आकलन से बचा जा सके। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों पक्षों ने विशेष प्रतिनिधि स्तर की 24वीं वार्ता के परिणामों के अनुसरण में सीमा निर्धारण, सीमा प्रबंधन, तंत्र-निर्माण और सीमा-पार सहयोग से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाये रखने के अलावा भारतीय पक्ष ने सीमा-पार नदियों पर विशेषज्ञ स्तर की तंत्र की अगली बैठक जल्द बुलाए जाने की आवश्यकता दोहराई और तिब्बत क्षेत्र में ऊपरी प्रवाह में चल रही परियोजनाओं से संबंधित तकनीकी विवरण साझा करने के महत्व पर बल दिया।

दिलीप घोष ने की युवाओं के साथ संघ प्रमुख के संवाद कार्यक्रम की सराहना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पंचायत मंत्री दिलीप घोष ने देश की युवा पीढ़ी के लिए उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत की युवा पीढ़ी के साथ संवाद की जमकर सराहना की है। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया के माध्यम से युवा पीढ़ी को आसानी से भ्रमित किया जा सकता है। कई बार युवा अनजाने में और पूरी जानकारी के अभाव में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों या विचारों का समर्थन करने लगते हैं। ऐसे समय में उन्हें उचित सलाह और सही दिशा दिखाने की आवश्यकता है। मोहन भागवत के संवाद कार्यक्रम की सराहना करते हुए दिलीप घोष ने कहा कि संघ प्रमुख हमेशा हिंदू समाज के लिए अभिभावक, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक की भूमिका निभाते रहे हैं। जब भी समाज किसी चुनौती का सामना करता है या युवा पीढ़ी को भटकता हुआ महसूस किया जाता है, तब मोहन भागवत उनकी बातें सुनते हैं, परिस्थितियों को समझते हैं और उचित दिशा-निर्देश देते हैं। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से इस दायित्व का निर्वहन करते आ रहे हैं। दिलीप घोष ने इस पहल को सकारात्मक बताते हुए कहा कि सरसंघचालक ने एक महत्वपूर्ण विषय उठाया है और उन्हें विश्वास है कि इसका सार्थक समाधान सामने आएगा। उल्लेखनीय है कि, गुरुवार को मुंबई में 'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस' के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मोहन भागवत ने जेन-जी और जेन-अल्फा के लगभग दो हजार युवा-युवतियों को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र में विरोध संवाद का एक वैध माध्यम है और उसका मूल उद्देश्य समाज में सहमति तथा समाधान का मार्ग प्रशस्त करना होना चाहिए, न कि विभाजन पैदा करना।

राहुल ने कार की टंकी खोली, ई-20 पेट्रोल पर सवाल उठाए

कहा- ये कार-स्कूटर खराब कर रहा दाल में काला नहीं, पूरी दाल ही काली

एजेंसी, नई दिल्ली

राहुल गांधी ने शुक्रवार को X पर एक वीडियो पोस्ट कर E20-पेट्रोल पर सवाल उठाए। राहुल ने करीब 53 सेकेंड का वीडियो जारी किया। वीडियो में राहुल कार की पेट्रोल टंकी खोलते नजर आए। ढक्कर उठाकर अंदर झांका और कहा कि नॉर्मली हम कहते हैं कि दाल में काला है लेकिन यहां पूरी दाल ही काली है। इस समय देश में करप्शन की लाइन लगी है। उनमें से एक E20 ईंधन का मामला है। इसके चलते लोगों की कार और स्कूटर खराब हो रहे हैं। हम इस मुद्दे को उठाएंगे।

सरकार बोली- कुछ लोग E20 को लेकर बेवजह विवाद पैदा कर रहे: राहुल के सोशल मीडिया पोस्ट से पहले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को दिल्ली में कहा कि भारत का बायोफ्यूल ब्लेंडिंग प्रोग्राम बहुत अच्छा काम कर रहा है। नतीजे काफी बेहतर रहे हैं। कुछ लोग E20 को लेकर बेवजह विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उधर केंद्र सरकार ने कहा है कि पेट्रोल में मिलाया जाने वाला एथेनॉल पूरी तरह घरेलू स्रोतों से लिया जा रहा है। सरकार ने 6 अगस्त को भारत द्वारा अमेरिका से बड़े पैमाने पर एथेनॉल आयात करने की मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया था।

भारत में क्यों हो रहा है E20 पेट्रोल का विरोध?: भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (E20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है। इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

E20 ईंधन के विरोध में AAP का देशभर में अभियान: आम आदमी पार्टी (AAP) E20 ईंधन के विरोध में देशभर में टाउन हॉल का आयोजन करेगी। पार्टी ने शुक्रवार को घोषणा की कि यह अभियान 8 अगस्त से शुरू होगा। इसका मकसद वाहन मालिकों से बातचीत करना और इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से जुड़ी समस्याओं पर फीडबैक जुटाना है। पार्टी के अनुसार, यह अभियान 8 अगस्त को पश्चिम बंगाल से शुरू होगा। इसके बाद 9 अगस्त को गुजरात और हरियाणा, 11 अगस्त को तेलंगाना और 17 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

तेजस्वी सूर्या बने कांवड़िया, हरकी पैड़ी से ऋषिकेश तक करेंगे 26 किमी की पदयात्रा

एजेंसी, हरिद्वार

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने शुक्रवार को हरिद्वार से कांवड़ यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने हरकी पैड़ी पर मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना की, पवित्र गंगाजल भरा और भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए ऋषिकेश स्थित वीरभद्र महादेव मंदिर की ओर लगभग 26 किलोमीटर की पदयात्रा पर रवाना हुए।

यात्रा के दौरान उनके साथ भाजयुमो के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और शिवभक्त भी मौजूद रहे। हरकी पैड़ी क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा।

तेजस्वी सूर्या ने कहा कि कांवड़ यात्रा दुनिया की सबसे बड़ी युवा भागीदारी वाली आस्था यात्रा है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु बिना किसी औपचारिक निमंत्रण, जाति-भेद या सामाजिक विभाजन के केवल श्रद्धा और भक्ति भाव से शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत से होने के बावजूद लंबे समय से उनकी इच्छा कांवड़ यात्रा का हिस्सा बनने की थी, जो इस सावन में पूरी हुई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका हरिद्वार आगमन किसी राजनीतिक कार्यक्रम के लिए नहीं, बल्कि एक सामान्य शिवभक्त के रूप में है। उन्होंने देश के युवाओं से सनातन संस्कृति, भारतीय परंपराओं और धार्मिक धरोहरों से जुड़ने का आह्वान किया।

तेजस्वी सूर्या ने बताया कि यात्रा के दौरान स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा तथा ऋषिकेश के स्वर्ग आश्रम में गंगा तट पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए विश्व पटल पर भारत की पहचान को और मजबूत करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी सूर्या वर्तमान में बेंगलुरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। पेशे से वकील रहे सूर्या लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हैं।

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के हाथ की सर्जरी सफल, देखने पहुंचे मुख्यमंत्री शुभेंदु

एजेंसी, कोलकाता

वरिष्ठ बालीवुड अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को हाथ की सर्जरी के लिए कोलकाता के ईएम बाइपास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुवार देर रात उन्हें अस्पताल लाया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनके हाथ का सफल ऑपरेशन किया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, सर्जरी के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति पूरी तरह स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं।

शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अस्पताल पहुंचकर मिथुन चक्रवर्ती से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मिथुन चक्रवर्ती पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनकी हाथ की सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने उनकी स्थिति को सामान्य बताया है तथा चिंता की कोई बात नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि स्वास्थ्य में इसी तरह सुधार जारी रहा तो मिथुन चक्रवर्ती को शुक्रवार शाम तक अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। इसके बाद वह न्यू टाउन स्थित अपने आवास लौट जाएंगे और चिकित्सकों की सलाह के अनुसार कुछ दिनों तक आराम करेंगे।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। सभी आवश्यक चिकित्सकीय जांच सामान्य पाई गई हैं और उनकी रिकवरी संतोषजनक है। डॉक्टरों का कहना है कि कुछ समय तक उन्हें नियमित फॉलो-अप और आवश्यक सावधानियां बरतनी होंगी।

असम नहीं उबर पाया बाढ़ से, कुछ हिस्सों में फिर खतरा मंडराया

एजेंसी, गुवाहाटी

असम बाढ़ की विभीषिका से पूरी तरह उबर भी नहीं पाया है कि राज्य के कई हिस्सों में खतरा उत्पन्न हो गया है। ऊपरी असम के मुख्य रूप से चार जिलों शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। राज्य सरकार के मंत्री जिलों में बैठकें कर राहत एवं पुनर्वास कार्य को तेज करने के लिए समीक्षा बैठक कर रहे हैं। क्षतिग्रस्त घरों का सर्वे 9 अगस्त से शुरू होना है। सरकार ने प्रारंभिक तौर पर प्रत्येक प्रभावित परिवार को 15 हजार रुपये की मदद मुहैया कराई है। मृतकों के आश्रितों को 9 लाख रुपये की राहत राशि बांटी जा रही है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 6 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार, धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इस बीच राहत और बचाव अभियान के दौरान गुरुवार को गोलाघाट जिले में 1 और उदालगुरी जिले में 1 शव बरामद किया गया। इसी के साथ बाढ़ से राज्य में मरने वालों की संख्या बढ़कर 96 हो गई है।

बाढ़ से अभी 15 जिले प्रभावित हैं। प्रभावित जिलों में गोलाघाट, शिवसागर, उदालगुरी, कामरूप (मेट्रो), नगांव, कामरूप, दरंग, शोणितपुर, होजाई, लखीमपुर, बिश्वनाथ, जोरहाट, चराईदेव, कार्बी आंगलोंग एवं धेमाजी शामिल हैं। इन जिलों के 39 राजस्व मंडलों के कुल 481 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 168701 आबादी अभी भी प्रभावित है एवं 14382.26 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

प्रभावित लोगों की मदद के लिए अभी भी 50 राहत शिविर एवं 83 राहत वितरण केंद्र संचालित हैं। राहत शिविरों में 10111 लोग आश्रय लिए हुए हैं। वितरण केंद्रों पर 35596 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की कुल संख्या 38 बताई गई है। यह आंकड़ा शिवसागर जिले में दर्ज किया गया है। वहीं पूरी तरह से क्षतिग्रस्त पक्के मकानों की संख्या शिवसागर जिले में दो दर्ज हुई है। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की संख्या 285 दर्ज हुई है।

राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, सेना, अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, वायु सेना, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ ऐंड ईएस), सर्कल कार्यालय, स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा, प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटे हुए हैं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सरकार प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव मदद पहुंचा रही है।

केंद्रीय मंत्री और विपक्ष ने रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के रचयिता, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित महान कवि, साहित्यकार और शिक्षाविद गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और आआपा के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों तथा साहित्यिक विरासत को नमन किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नमन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति, साहित्य, शिक्षा, उनके विचार और कालजयी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देती रहेंगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुदेव को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने साहित्य और चिंतन के माध्यम से भारतीय संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि 'गीतांजलि' के जरिए टैगोर ने विश्व पटल पर भारत की आत्मा को अभिव्यक्ति दी और शांतिनिकेतन की स्थापना कर शिक्षा को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। उनके विचार और आदर्श सदैव समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रवीन्द्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें नोबेल पुरस्कार विजेता, दूरदर्शी कवि, दार्शनिक, शिक्षाविद, समाज सुधारक और मानवतावादी बताया। उन्होंने कहा कि भारत के राष्ट्रगान के रचयिता और विश्व के महानतम साहित्यकारों में शामिल टैगोर की करुणा, रचनात्मकता और प्रगतिशील सोच की कालजयी विरासत आज भी मानवता को प्रेरित कर रही है।

पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर ने भारतीय साहित्य, संस्कृति और शिक्षा-जगत को नई चेतना प्रदान की। उन्होंने कहा कि टैगोर की रचनाओं में राष्ट्रप्रेम, मानवीय संवेदना, प्रकृति और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। शिक्षा को जीवन से जोड़ने की उनकी अवधारणा तथा भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रसार के लिए किए गए उनके प्रयास आज भी प्रासंगिक हैं।

जम्मू से 926 अमरनाथ यात्रियों का जत्था बालटाल रवाना

एजेंसी, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। जम्मू से आज यात्रियों का एक और जत्था बालटाल बेस कैंप के लिए भेजा गया। इस बीच भक्तों का एक जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच रामबन जिले से होते हुए जम्मू लौटा। पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार, 926 यात्रियों वाला 29वां जत्था तड़के 2:59 बजे 42 वाहनों के साथ भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल रूट के लिए रवाना हुआ।

इस जत्थे में 693 पुरुष, 178 महिलाएं, 34 साधु और 21 साध्वियां शामिल हैं। इन्हें 210बसों, तीन माध्यम वाहन, 17 छोटे और एक दोपहिया वाहन से भेजा गया है। गांदरबल जिले में बालटाल बेस कैंप की ओर बढ़ने से पहले यात्रा की आवाजाही सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक और सुरक्षाकर्मी तैनात रहे। इस बीच पवित्र गुफा के दर्शन कर 133 यात्रियों का 27वां बालटाल बेस कैंप से जम्मू के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 110 पुरुष, 21 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। यह सभी सात गाड़ियों में हैं। इन गाड़ियों में तीन भारी मोटर वाहन, एक हल्का मोटर वाहन और तीन ट्रक शामिल हैं। यह हिंदू धर्म की सबसे पवित्र और प्रमुख तीर्थ यात्राओं में से एक है। यह यात्रा हर वर्ष जम्मू-कश्मीर की बर्फीली पहाड़ियों में स्थित भगवान शिव की गुफा (बाबा बर्फानी) के दर्शन के लिए आयोजित की जाती है। यहां हर वर्ष प्राकृतिक रूप से बर्फ का शिवलिंग (हिमलिंग) निर्मित होता है। अनंतनाग जिले में अमरनाथ गुफा समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई है। यह 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक चलेगी। अमरनाथ गुफा तक पहुंचने के लिए दो मुख्य पारंपरिक रास्ते हैं। इनमें बालटाल का रास्ता सोनमर्ग के पास से शुरू होने वाला छोटा लेकिन बेहद खड़ी चढ़ाई वाला मार्ग है। इसकी दूरी बालटाल से लगभग 14-16 किलोमीटर है। पहलगाम मार्ग पारंपरिक और अधिक सुविधाजनक रास्ता माना जाता है। यह चंदनवाड़ी से शुरू होकर शीशनाग और पंचतरणी जैसे खूबसूरत पड़ावों से गुजरता है। इस मार्ग को पूरा करने में श्रद्धालुओं को तीन से पांच दिन का समय लगता है।

देश के कई राज्यों में अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता के बीच दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर-पश्चिम, पूर्वी और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश होने का अनुमान है। वहीं, अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मध्यम अल-नीनो की स्थिति बनी हुई है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। यह सिलसिला रात तक जारी रह सकता है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33-35 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। रविवार और सोमवार को भी वर्षा होने से तापमान में कमी आने का अनुमान है।

आईएमडी के मुताबिक, अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मध्यम अल-नीनो की स्थिति बनी हुई है, जिसमें मध्य एवं पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से अधिक है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान इन स्थितियों के और मजबूत होने की उम्मीद है। वहीं, पश्चिम बंगाल और बंगाल की खाड़ी के तटीय इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

छिंदवाड़ा दौरे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बड़ा एक्शन : सीएमएचओ डॉ. नरेश गुन्नाड़े निलंबित

एजेंसी, छिंदवाड़ा

- लापरवाह तहसीलदार और पटवारी पर भी गिरी गाज
- मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज छिंदवाड़ा से जन विश्वास अभियान कि की शुरुआत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को छिंदवाड़ा दौरे के दौरान प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों, राजस्व मामलों एवं विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान लापरवाही सामने आने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नरेश गुन्नाड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले एक तहसीलदार और एक पटवारी के विरुद्ध भी निलंबन की कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी और जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन के लंबित एवं संतुष्टिपूर्वक निराकृत नहीं किए गए प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि जो अधिकारी और कर्मचारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लगातार लापरवाही बरत रहे हैं, उनकी क्रमोन्नति एवं पदोन्नति भी रोकी जाए। साथ ही ऐसे अधिकारियों की नियमित समीक्षा कर आवश्यकतानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान है। जनता को कार्यालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री की इस कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही और सुशासन की दिशा में बड़ा संदेश माना जा रहा है।

08-08-2026 T.P. Page 8_Layout 1 08-08-2026 08:27 Page 1

अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' में नजर आएंगी फातिमा सना शेख

फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस सीरीज में काम कर रहे कलाकारों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने सभी साथियों को गैंगस्टर बुलाया है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें सिद्धांत गुप्ता और बॉबी देओल नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फातिमा सबके साथ सेल्फी ले रही हैं। एक और तस्वीर में वह बॉबी देओल के साथ विक्ट्री साइन बनाते हुए पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में फातिमा सिद्धांत से बेबाकी से नजरें मिला रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने लिखा 'गैंगस्टर। तीन कौवे गैंग। हम मजे में हैं। मैं सिर्फ एक लड़की हूं। सबसे अच्छी लड़की। मुसीबत खड़ी करने वाली। बॉबी देओल महान हैं। बात खत्म।'

सीरीज की स्टारकास्ट

आपको बता दें कि 'तीन कौवे' अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली अपकमिंग सीरीज है। इसमें सिद्धांत गुप्ता, बॉबी देओल और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें पावेल गुलाटी, रोनित रॉय, ईशा तलवार, चांदनी बैंज और फैसल मलिक भी हैं। इसका निर्देशन प्रियंका घोष कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'तीन कौवों' की कहानी एक ऐसे पूर्व सीक्रेट एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे सात साल से मृत मान लिया गया था। मगर गद्दार करार दिए जाने के बाद वह अपना नाम साफ करने के लिए वापस लौटता है। यह सीरीज इस साल के आखिर में रिलीज हो सकती है।

दीया मिर्जा ने बताया क्यों कर रही हैं फिल्मों में छोटे रोल

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक 'अल्फा' और 'इक्का' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी रिलीज होगा। एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं।

भूमिका की लंबाई नहीं आधार होना चाहिए

फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए। कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।'

'ऑपरेशन सफेद सागर' में भी छोटा ही होगा किरदार

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थी। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।' दीया मिर्जा 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं।

हीर रांझा में लीड रोल निभाएंगे रोहित सराफ

फिल्म 'हीर रांझा' को लेकर कई एक्टर्स के नाम सामने आ रहे हैं, जिनमें रोहित सराफ का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि रोहित जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। लेकिन साजिद अली ने अब इन खबरों पर बड़ा अपडेट दिया है।

कास्टिंग पर बात करते हुए साजिद अली ने कहा, 'अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। ये पुरानी खबर फिर से सामने आ गई है, पता नहीं कहां से।' उन्होंने यह भी साफ किया कि फिल्म की फीमेल लीड, जिसे एक नई एक्ट्रेस माना जा रहा है, वह भी अभी तक तय नहीं हुई है। साजिद अली ने बताया कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के बीच में शुरू होगी, उससे पहले नहीं। उन्होंने कहा, 'अभी ज्यादा बात करने जैसा कुछ नहीं है, लेकिन हम अक्टूबर के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे। हम देहरादून में शूट करेंगे।'

'हीर रांझा' के बारे में

साजिद अली के निर्देशन में बनने वाली 'हीर रांझा', 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा हिस्सा होगी। मेकर्स के मुताबिक, यह फिल्म दर्शकों के साथ इमोशनल जुड़ाव को आगे बढ़ाएगी। मेकर्स ने कहा कि, 'यह फिल्म क्लासिक रोमांस पर आधारित होगी, लेकिन आज के समय के हिसाब से बनाई जाएगी। 'हीर रांझा' नई पीढ़ी के लिए प्यार को नए तरीके से दिखाएगी और एक इमोशनल और पोएटिक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। टाइटल सामने आते ही 'लैला मजनू' के फैंस में काफी एक्साइटमेंट देखी गई है।'

नेपो किड कहे जाने पर बोलीं रिवा किशन

अभिनेता रवि किशन की बेटी रिवा किशन ने नेपो कहे जाने पर अपनी बात रखी है। हाल ही में वह रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आई थीं। उनका कहना है कि वह रवि किशन का सरनेम इस्तेमाल करने के साथ-साथ कुछ खास फायदे और दबाव भी महसूस करती हैं।

मैंने कड़ी मेहनत देखी है

रिवा कहती हैं 'मैंने बहुत करीब से देखा है कि इस प्रोफेशन में असल में क्या चाहिए होता है। लोग अक्सर सफलता देखते हैं लेकिन मैंने उसे पाने के लिए बरसों का अनुशासन, हिम्मत और कड़ी मेहनत देखी है। अपने पिता को अलग-अलग इंडस्ट्रीज में काम करते और खुद को लगातार बदलते हुए देखकर मैंने सीखा कि लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है।'

अपनी जगह बनाऊंगी

वह आगे कहती हैं, 'मुझे रवि किशन की बेटी होने पर बहुत गर्व है, यह मेरी पहचान का एक ऐसा हिस्सा है, जिससे मैं कभी पीछे नहीं हटूंगी। लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि एक एक्टर के तौर पर मुझे अपनी अलग पहचान बनानी होगी और अपनी जगह खुद बनानी होगी।'

उम्मीद तो रहेगी

वह कहती हैं 'उम्मीदें तो हमेशा रहेंगी, चाहे मेरे सरनेम की वजह से हों या इसलिए कि लोग यह देखने के लिए उत्सुक हों कि मैं क्या नया लेकर आती हूं। मैंने इसे दबाव के बजाय प्रेरणा के तौर पर देखा है। मेरे लिए सफलता का मतलब अपने पिता की परछाई से बाहर निकलना नहीं है, बल्कि अपनी खुद की पहचान के साथ आत्मविश्वास से खड़े होना है।'

गलती से सीखूंगी

उन्होंने कहा 'मैंने इस सफर को कभी ऐसा नहीं माना कि मुझे अपने पिता से अलग होना है, न ही ऐसा कि यह मुझे विरासत में मिल जाएगा। उनकी विरासत उनकी अपनी है, मेरी जिम्मेदारी अपनी खुद की पहचान बनाना है। अगर मैं कामयाब होती हूं, तो मैं चाहूंगी कि यह मेरी लगातार अच्छी परफॉर्मेंस की वजह से हो। अगर मैं नाकाम होती हूं, तो मैं उससे सीखना चाहूंगी। मैं और और मजबूत होकर वापसी करना चाहूंगी।

बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा

हमेशा सुर्ख़ियों में रहने वाली शहनाज गिल फैंस ओर पैपराजी की फेवरेट हैं। सोशल मीडिया पर शहनाज के तकरीबन 19 मिलियंस फॉलोवर्स हैं। इन दिनों वे ख़बरों में हैं अपनी नई पंजाबी फिल्म इश्कनामा से। इस मुलाकात में वे इश्क, शादी, फैंस और बेबाकी पर बिंदास होकर बात करती हैं।

इश्क में धूम मचा दो

आज प्यार को सिचुएशनशिप, होस्टिंग, बेंचिग, जॉम्बिंग जैसे टर्म्स से डिफाइन किया जाता है, जबकि एक जमाने में मोहब्बत, इश्क, उन्स जैसे लफ्ज हुआ करते थे, आपके लिए प्यार क्या है? इस सवाल पर शहनाज कहती हैं, 'इश्क को लेकर तो मुझे एक गाना याद आ रहा है। 'इश्क इश्क करना है कर ले, इश्क इश्क में जी ले मर ले, इश्क इश्क ना हो दोबारा, धूम मचा ले' मुझे लगता है इश्क धूम है, तो इश्क में धूम मचा दो। मगर मैं कभी मर-मिटने वाले जुनूनी प्यार में नहीं पड़ी। मुझे वैसा वाला इश्क नहीं हुआ।'

पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शहनाज के लिए बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा। उसी के बाद शहनाज की मासूम, बेबाक और बिंदास इमेज बनी, जो लगातार आज भी जारी है। हमने उनसे जानना चाहा कि इस इमेज का उन्हें खामियाजा उठाना पड़ा है या फायदा हुआ है? इस पर उनका कहना है, 'नुकसान ज्यादा और फायदा कम होता है, मगर मुझे लगता है, दोनों बराबर ही होता है। कई लोग इस चीज को सपोर्ट करते हैं, तो कई लोग ये भी कहते हैं, 'क्या बोल रही है? क्यों बोल रही है, शी इज सो रूड,' मगर सॉरी लोगों के लिए मैं खुद को नहीं बदल सकती। मैं जो कुछ कहती हूं, मुंह पर कह देती हूं। मैं ऑनेस्ट हूं, मगर मैं किसी से हर्ट हूं, तो अपना हर्ट होना झट से बता देती हूं। उस वक्त मैं सामने वाले को हर्ट करने के चक्कर में अपने भीतर की सारी अच्छाई और कोमलता छुपा कर जाता देती हूं कि आपने मुझे दुख पहुंचाया है। ऐसा करके मुझे जवाब मिल जाता है कि सामने वाले ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया। सच कहूं, तो मैं भले अपनी लाइफ में सॉर्टेड हूं। लेकिन मुंह बंद नहीं करूंगी।'

सच्चे फैंस को गले लगा लेती हूं

सोशल मीडिया हो या फैंस अथवा हो पैपराजी शहनाज गिल हर किसी की फेवरेट हैं। वे अपने फैंस और पैपराजी से बड़े प्रेम से पेश आती हैं। इस पर शहनाज कहती हैं, 'जो लोग मुझे जेनुइनली प्यार करते हैं, उनकी वाइब्स मुझे पता चल जाती हैं। जो मेरे सच्चे फैंस हैं, मैं उन्हें पहचान जाती हूं, तो जो वाकई मुझे प्यार करते हैं, मैं उन्हें पकड़ कर गले लगा लेती हूं।'

अपने परिवार में किसी एक को दोस्त बनाना जरूरी है

बहुत कम लोग जानते हैं कि ग्लैमर वर्ल्ड में आने से पहले शहनाज पर भी आम लड़कियों की तरह परिवार की तरफ से शादी का बहुत प्रेशर था। वे कहती हैं, 'मुझ पर काफी प्रेशर था शादी का। मैं जब भी शादियों में शामिल होती थी, तो मुझे रिश्तेदार पसंद कर लेते थे और रिश्ता भेज देते थे। मगर मैं उन रिश्तों को भगाने के लिए बहुत एटिट्यूड में रहती थी कि अगर मुझसे रिश्ता किया गया, तो मैं लड़के के घरवालों एक बैंड बजा दूंगी। इससे लड़के वाले भाग जाते थे।(हंसती हैं) मगर यहां मैं यही कहूंगी कि जब भी किसी लड़की पर शादी का दबाव बनाया जाए, तो उसे अपने दादा-दादी, मम्मी -पापा किसी से झिझकना नहीं चाहिए। अपनी बात बताना और रखना जरूरी है। आप इस बारे में बाहर बात करते हैं, अपने फ्रेंड्स से शेयर करते हैं, पर मैं कहूंगी कि अपने परिवार के अंदर दोस्त बनाओ। परिवार में कम से कम एक ऐसा दोस्त बनाओ, जो आपके इतना करीब हो कि उसे आप अपनी हर बात साझा कर सको।

....तब सोशल मीडिया से चार दिन की छुट्टी ले लेती हूं

अपने आसपास की नेगेटिव एनर्जी से डील करने के टिप्स देते हुए वे कहती हैं, 'मैं पॉजिटिव और हाइड्रेटेड रहती हूं। अपना मेकअप करती हूं। अगर मुझे अपने बारे में कुछ ज्यादा ही नेगेटिव दिख रहा है, तो फिर मैं थोड़ी देर के लिए फोन स्विच ऑफ कर लेती हूं। अपने करीबियों को बुलाती हूं और उनके साथ थोड़ी मौज -मस्ती करती हूं। फिर मैं चार दिन तक सोशल मीडिया देखती तक नहीं। इससे मेर दिमाग उन चीजों से दूर हो जाता है। वैसे भी चार दिन बाद कोई भी खबर ठंडी पड़ जाती है। मगर इन चार दिनों में मैं जम कर मजे करती हूं।'